जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः252 दिनांकः23-08-2024 शुक्रवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

सुप्रीम कोर्ट ने आज कोलकाता रेप-मर्डर केस मामले पर सुनवाई की। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने 11 दिन बाद हड़ताल वापस ले ली है।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने साथी बुच विल्मोर के साथ पिछले दो महीने से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में फंसी हैं। विशेषज्ञ ने चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा है कि सुनीता और बुच विल्मोर के पास केवल 96 घंटे की ऑक्सीजन आपूर्ति बचेगी।

कोलकाता रेप-मर्डर केसः सीबीआई ने स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में पेश,

सुप्रीम कोर्ट बोला- 30 साल में ऐसी लापरवाही नहीं देखी, सीबीआई का दावा ,सबूतों से की गई है छेड़छाड़

नई दिल्ली(ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश कर दी। रिपोर्ट में सीबीआई ने बताया है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में अपराध स्थल से छेड़छाड़ की गई। इस पूरे मामले में लीपापोती की कोशिश की गई। सीबीआई ने अंतिम संस्कार के बाद एफआईआर दर्ज किए जाने पर भी सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 20 अगस्त को स्वतः संज्ञान लेकर आरजी कर कॉलेज की घटना पर सुनवाई की थी। इसी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीबीआई और बंगाल सरकार से घटना की जांच पर स्टेटस रिपोर्ट अदालत में जमा करन का निर्देश दिया था।

सीबीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि अस्पताल के सेमिनार हॉल में महिला डॉक्टर का शव मिलने और पुलिस को इसकी जानकारी दिए जाने के बीच में समय का लंबा अंतराल है। ऐसे में सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि अस्पताल प्रशासन, खासकर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने पुलिस को घटना के बारे में जानकारी देने में इतनी देरी क्यों की? सीबीआई बीते शुक्रवार से ही करीब हर दिन 12-14 घंटे संदीप घोष से पूछताछ कर रही है। गुरुवार को भी संदीप घोष से सीबीआई की पूछताछ लगातार सातवें दिन भी जारी रही। सीबीआई इस बात की भी जांच कर रही है सेमिनार हॉल में सबसे पहले महिला डॉक्टर के शव को किसने देखा? अस्पताल के कर्मचारियों और डॉक्टर्स से पूछताछ के बाद भी अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि शव को पहली बार सेमिनार हॉल में किसने देखा? सीबीआई ने बताया कि जिन लोगों से पूछताछ की गई है, उनके बयान विरोधाभासी हैं।

कोलकाता केस में गैंगरेप नहीं

सीबीआई द्वारा अब तक की गई जांच में मृतका के बलात्कार और हत्या में केवल संजय रॉय नामक शख्स की संलिप्तता की ओर इशारा किया गया है। हालांकि जांच अभी जारी है। सीबीआई ने फोरेंसिक रिपोर्ट देखी है। अब तक की जांच में यह बात निकलकर सामने आई है कि संजय रॉय ने ही पीडिता का बलात्कार किया और फिर हत्या की थी, यानि अभी रेप और हत्या के मामले में तक केवल एक ही शख्स की संलिप्तता सामने आई है और डीएनए निष्कर्षों ने भी संजय रॉय की संलिप्तता की पुष्टि की है। सीबीआई ने सीसीटीवी फुटेज भी देखी है, जिसमें संकेत मिलता है कि अपराध संजय रॉय ने किया था। सीबीआई ने अटॉप्सी रिपोर्ट का भी विश्लेषण किया है। अभी तक हुई सीबीआई जांच में यह बात सामने निकलकर आई है कि यह बलात्कार और हत्या का मामला है न कि गैंगरेप का। हालांकि, सीबीआई ने अभी तक और लोगों की संलिप्तता और गैंगरेप के सिद्धांत पर अपनी जांच पूरी नहीं की है। सीबीआई इस पर अंतिम राय लेने के लिए स्वतंत्र फोरेंसिक रिपोर्ट विशेषज्ञों की मदद ले सकती है।

कोलकाता के आरजी की मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या करने वाला आरोपी संजय रॉय जानवर से कम नहीं है। सीबीआई ने अपनी मनोविश्लेषणात्मक रिपोर्ट में यह दावा किया है। मामले की पूछताछ के दौरान सीबीआई की टीम ने पाया कि घटना के बारे में बताते वक्त आरोपी के चेहरे पर शिकन तक नहीं थी। सीबीआई जांच के दौरान विशेषज्ञों ने आरोपी के एजेंसी को दिए गए बयानों का सत्यापन किया इसके बाद बयानों को पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट से जोड़कर देखा गया। सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक घटना स्थल पर रॉय की मौजूदगी के तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्य मिले हैं। लेकिन डीएनए टेस्ट के परिणाम को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है। जबकि पुलिस ने सीबीआई को मामला सौंपने से पहले कहा था कि पीडिता के नाखून के नीचे मिले खून और त्वचा के निशान आरोपी संजय रॉय के हाथ पर लगी चोट से मेल खाते हैं।

एम्स के डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 9 अगस्त को हुए ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसके बाद एम्स के डॉक्टरों ने 11 दिन से चल रही हड़ताल खत्म कर दी है। इससे पहले सीजेआई ने कहा था कि डॉक्टर काम पर लौट आएं। सीजेआई ने कहा कि हमें बताया गया कि डॉक्टर काम पर वापस जाने के लिए तैयार हैं। राज्य सरकारें डॉक्टरों के लिए कुछ सुरक्षा इंतजाम कर सकती हैं। हम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय निर्देश देते हैं कि वे राज्य के मुख्य सचिवों और डीजीपी के साथ मिलकर सुरक्षा सुनिश्चित करें। यह एक्सरसाइज 1 हफ्ते में पूरी हो जानी चाहिए। राज्य 2 हफ्ते के अंदर इसे लागू करें। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कोर्ट में कहा- क्राइम सीन से छेड़छाड़ हुई है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा- कोलकाता पुलिस की भूमिका पर संदेह है। जांच में ऐसी लापरवाही अपने 30 साल के करियर में नहीं देखी। मामले में अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी।

बांग्लादेश को भारत का दो टूक जवाब, बाढ़ की स्थिति का कारण हम नहीं

नई दिल्ली(ईएमएस)। बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। पड़ोसी देश ने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ा। भारत ने इसे खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने अपने में कहा कि हमने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि बांग्लादेश की पूर्वी सीमा पर स्थित जिलों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति त्रिपुरा में गुमटी नदी के ऊपर डंबूर बांध के खुलने के कारण हुई। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और बांग्लादेश से होकर बहने वाली गुमटी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों भारी बारिश हुई। बांग्लादेश में बाढ़ मुख्य रूप से बांध के नीचे की ओर बड़े जलग्रहण क्षेत्रों के पानी के कारण है। डंबूरबांध सीमा से काफी दूर है। यह बांग्ला देश से 120 किलोमीटर ऊपर स्थित है।

त्रिपुरा और बांग्लादेश के आसपास के जिलों में बुधवार से भारी बारिश हो रही है। भारी बाढ़ की स्थिति में स्वचालित रूप से पानी छोड़ा जाता है। अमरपुर स्टेशन द्विपक्षीय प्रोटोकॉल का हिस्सा है, जिसके तहत भारत-बांग्लादेश को वास्तविक समय में बाढ़ के आंकड़े भेज रहा हैं। 21 अगस्त 2024 को तीन बजे तक के बांग्लादेश को बाढ़ के बहते पानी को दर्शाने वाले आंकड़े भेजे गए। 6 बजे बाढ़ के चलते बिजली गुल हो गई, जिससे संचार में समस्याएं पैदा हो गईं। फिर भी भारत ने संचार बनाए रखने की कोशिश की। भारत और बांग्लादेश के बीच आम नदियों में बाढ़ एक समस्या है, जिससे दोनों देशों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

त्रिपुरा में भूस्खलन और बाढ़ से 10 लोगों की मौत

अगरतला(ईएमएस)। त्रिपुरा में भारी बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन से हाहाकार मचा है। इसके चलते राज्य में 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक लापता हो गया। बाढ़ और भूस्खलन को देखते हुए बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। इसके चलते अब तक 32,750 लोगों के 330 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। एनडीआरएफ की चार टीमें बचाव अभियान में राज्य की सहायता कर रही हैं। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सीएम से बात करके हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। वहीं राज्य सरकार ने अगले आदेश तक सभी स्कूल बंद करने का एलान किया है।

राज्य सरकार के मुताबिक रविवार से हो रही भारी बारिश के चलते राज्य की सभी बड़ी नदियों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई। करीब 1900 जगहों पर भूस्खलन के चलते सडक्र मार्ग बाधित हो गया। जगह-जगह जलभराव और बाढ़ से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का किया स्वागत, CBI पर लगाया भ्रामक तथ्य पेश करने का आरोप

कोलकाता : टीएसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर टिप्पणी नहीं करना चाहते, क्योंकि मामला न्यायाधीन है। हालांकि, वह सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी का स्वागत करते हैं, जिसमें सियासी दलों से मामलों को राजनीतिक का विषय न बनाने और प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को काम पर लौटने का निर्देश दिया गया है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी का स्वागत किया, जिसमें महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले को सियासी रंग देने से मना किया गया था। सत्तारूढ़ पार्टी ने मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) पर भ्रामक तथ्य पेश करने का आरोप लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर क्या कहा था

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले राजनीति का विषय न बनाने की सलाह दी और कहा कि कानून आपना काम करेगा। कोर्ट ने कोलकाता पुलिस की ओ~से मामले में अप्राकृतिक मौत की रिपोर्ट दर्ज करने में देरी को बेहद परेशान करने वाला बताया और प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को काम पर लौटने का निर्देश दिया।

बसपा की बड़ी बैठक में तय होगा पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली (ईएमएस)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 27 अगस्त को पार्टी कार्यालय पर बैठक बुलाई है। यह बैठक सुबह 10:00 बजे बुलाई गई है। इस बैठक में सभी राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों को बुलाया गया है, इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

बसपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के साथ बसपा अपना राष्ट्रीय एजेंडा भी तय करेगी। बहुजन समाज पार्टी इस वक्त पूरे देश में अलग-अलग कार्यक्रम करके लोगों के बीच में अपनी पकड़ बनाने का काम कर रही है। इस बैठक में बसपा राष्ट्रीय मुद्दो पर चर्चा करते हुए रणनीति के साथ आगे बढ़ाना है इस पर भी विचार विमर्श करेगी।

ज्ञात रहे कि बहुजन समाज पार्टी में 5 साल में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है। इस चुनाव के पहले 2019 में बसपा सुप्रीमो मायावती को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। पार्टी संविधान के मुताबिक इसी महीने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो जाना है। इस कार्यकारिणी बैठक में राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ मंडल प्रभारी और जिला अध्यक्ष भी शामिल होंगे।

माधवी बुच के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे और अदाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव, वरिष्ठ नेता सचिन पायलट, कन्हैया कुमार और उदित राज सहित अन्य लोग शामिल हुए। कांग्रेस नेता यादव ने कहा कि जिस तरह से घोटाले का खुलासा हुआ है, उस देखकर सेबी प्रमुख को इस्तीफा देना चाहिए या फिर उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह से जुड़े 'घोटालों' की जेपीसी से जांच जरूरी है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने हाल में अपनी एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि सेबी की प्रमुख बुच और उनके पति की अदाणी समूह से जुड़ी कथित अनियमितताओं में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी। सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज कर बेबुनियाद बताया था।

आरोपी की मल्टी पर चला बुलडोजर

अयोध्या(ईएमएस)। अयोध्या रेप कांड के आरोपी समाजवादी पार्टी नेता मोईद खान के मल्टी कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर का एक्शन शुरू हो गया है। प्रशासन अबतक इस कॉम्प्लेक्स में चल रहे बैंक के शिफ्ट होने का इंतजार कर रहा था। अब बैंक दूसरी जगह शिफ्ट हो गई है। इसके अलावा अन्य प्रतिष्ठानों को भी खाली करवा दिया गया था, जिसके बाद अब एक साथ तीन बुलडोजर अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में लगे हुए हैं। इस मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति खूब गरमाई हुई है।बताया गया है कि इस मल्टी कॉम्प्लेक्स का एक तिहाई हिस्सा अवैध बना हुआ है, जिसकी जद में सरकारी बैंक भी आ रहा था, जिसके बाद प्रशासन की ओर से अवैध हिस्से में चल रही दुकानों पर नोटिस चस्पा कर दिया था। इसके बाद से ही लोगों ने यहां से दुकानें खाली करना शुरू कर दिया गया था और अब यहां से बैंक समेत सभी दुकानें खाली हो गई हैं। बुलडोजर एक्शन से पहले ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा चुके थे। इससे पहले मोईद खान की बेकरी को भी बुलडोजर से ढहा दिया गया है।

विनेश फोगाट का दावा - जिन महिला पहलवानों की बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोर्ट में गवाहियां होने वाली हैं, दिल्ली पुलिस ने उनकी सुरक्षा हटाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक से हाल ही में लौटीं भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने दावा किया है कि जिन महिला पहलवानों की बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोर्ट में गवाहियां होने वाली हैं, दिल्ली पुलिस ने उनकी सुरक्षा हटा ली है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने विनेश फोगाट के आरोपों को खारिज कर दिया है।

विनेश फोगाट के आरोपों पर दिल्ली पुलिस ने कहा, सुरक्षा वापस लेने का कोई आदेश नहीं है। अगर सुरक्षाकर्मी पहुंचने में कोई देरी हुई है तो उसकी जांच की जा रही है।

विनेश फोगाट के अलावा ओलंपिक मेडल विनर साक्षी मलिक समेत कई अन्य पहलवानों ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पिछले साल यौन शोषण के आरोप लगाए थे। इसको लेकर जंतर-मंतर पर काफी दिनों तक विरोध प्रदर्शन भी किया था। हाल ही में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण के खिलाफ आरोप तय कर दिए थे।

आज के भारत की नीति है सभी देशों से नजदीकी बनाओ, पीएम मोदी ने पोलैंड में भारतीय समुदाय को किया संबोधित

वारसॉ,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी ने पोलैंड के वारसॉ में एक कार्यक्रम में कहा कि आज मैं यहां 140 करोड़ भारतवासियों की तरफ से पोलैंड में रहने वालों का अभिनन्दन करता हूं। मैं आपको सेल्यूट करता हूं, भारत और पोलैंड में बहुत समानता है। पोलैंड में भारत की भाषाओं को आप यहां की यूनिवर्सिटी में देख सकेंगे। भारत के गांव की कबड्डी को पोलैंड ने ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे कई देश है, जहां दशकों तक भारत का कोई प्रधानमंत्री नहीं पहुंचा था लेकिन, अब परिस्थितियां बदल गई हैं, आज के भारत की नीति हैं सभी देशों से नजदीकी बनाओ। आज का भारत सबके साथ है, सबके विकास की बात करता है। हमें गर्व है आज दुनिया भारत को विश्वबंधु की नजर से देखती है, जिन्हें कहीं जगह नहीं मिली, उन्हें भारत ने अपने दिल और जमीन में जगह दी है।

पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय से कहा कि पोलैंड तो सनातन भाव का साक्षी रहा है। जब पोलैंड दूसरे वर्ल्ड में संकट में था, तब महाराजा जाम साहब जडेजा आगे आए। उन्होंने उनके लिए कैंप बनवाया था। जाम साहब के बनाए रास्ते को पोलैंड ने अभी भी बनाकर रखा है। गुजरात में जब दो दशक पहले भूकंप आया तो पोलैंड सबसे पहले मदद लेकर पहुंचा था। पीएम मोदी ने कहा कि हम भारतीयों की एक पहचान है कि हम सबके बारे में सोचते हैं। दुनिया के किसी भी देश में संकट आए तो भारत पहला देश होता है, जो मदद के लिए हाथ बढ़ाता है। कोविड आया तो भारत ने कहा मानवता सर्वप्रथम। हमने दुनिया के 150 से अधिक देशों को दवाइयां और वैक्सीन भेजी।

उन्होंने कहा कि 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है। इस दिन भारत ने चंद्रमा के साउथ पोल पर अपना चंद्रयान उतारा था। जहां कोई देश नहीं पहुंचा, वहां भारत पहुंचा और उस स्थान का नाम शिवशक्ति है। मैंने देश की जनता से वादा किया है, मेरे तीसरे टर्म में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर रहेगा। नैसकॉम का अनुमान है कि भारत अपने डिजिटल अवसंरचना के कारण इस दशक के अंत तक एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन जाएगा।

बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया

मुंबई,(ईएमएस)। बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और आज सुनवाई की। मामला सामने के बाद 17 अगस्त को गिरफ्तार किए गए सफाई कर्मी पर स्कूल के शौचालय में दो छात्रों पर यौन हमला करने का आरोप है। स्थानीय अदालत ने आरोपी की हिरासत 26 अगस्त तक बढ़ा दी है। सरकार ने इस मामले की जांच के लिए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आरती सिंह के नेतृत्व में एसआईटी के गठन का आदेश दिया है।

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने स्कूल के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया है, उन्होंने कहा कि मामले की तेजी से जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोग जवाबदेही से बच नहीं पाएंगे। इस घटना को लेकर स्कूल प्रबंधन ने प्राचार्य, एक शिक्षक और एक महिला परिचारिका को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने यौन शोषण मामले से निपटने में लापरवाही के लिए एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक समेत तीन पुलिस अधिकारियों को भी निलंबित कर दिया है।

विपक्षी दलों ने अधिकारियों की आलोचना करते हुए दावा किया है कि पीड़ितों के अभिभावकों को उनकी शिकायतों पर ध्यान दिए जाने से पहले बदलापुर पुलिस स्टेशन में 11 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इससे पहले एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि विरोध प्रदर्शन लोगों में जबरदस्त अशांति और गुस्सा दिखाता है क्योंकि सरकार ने अपराध पर उतना ध्यान नहीं दिया जितना उसे देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि बदलापुर में रेलवे ट्रैक पर विरोध प्रदर्शन लोगों की गुस्से वाली प्रतिक्रिया थी।

ममता सरकार ने डॉक्टर्स की मांग पर तीन अधिकारियों को हटाया

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों की मांग को लेकर ममता सरकार ने अस्पताल के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटा दिया है। राज्य के स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम ने कहा कि डॉक्टरों की मांग पर आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य डॉ. संदीप घोष को कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य पद से भी हटा दिया गया है।

उन्होंने कहा कि अस्पताल के तीन वरिष्ठ अधिकारियों कोराज्य द्वारा संचालित स्वास्थ्य केंद्रों में तबादला कर दिया है। बुधवार को जारी आदेश में आरजी कर अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक एवं उप प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) बुलबुल मुखोपाध्याय को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया और उनकी जगह सप्तर्षि चटर्जी को नियुक्त कर दिया। मानस कुमार बंद्योपाध्याय को अस्पताल का नया प्राचार्य नियुक्त किया गया है। वह सुहृता पॉल की जगह लेंगे। अस्पताल के छाती रोग विभाग के प्रमुख अरुणाभ दत्ता चौधरी को मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है।

खाई में गिरी बस, 6 की मौत

लद्दाख(ईएमएस)। लेह के दरबुक इलाके में गुरुवार को एक बस 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 लोग घायल हो गए। जब यह हादसा हुआ तो बस लेह से पूर्वी लद्दाख जा रही थी। कुछ घायलों की हालत गंभीर है और उन्हें इलाज के लिए एसएनएम लेह जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेह के डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि घायलों को सेना और सीएचसी तांगत्से स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में भर्ती कराया गया है। बस में लगभग 25 यात्री सवार थे, जिनमें दो बच्चे और 23 स्कूल के कर्मचारी थे। यह बस एक कर्मचारी की शादी में शामिल होने के लिए डुरबुक जा रही थी, तभी डुरबुक मोड के पास यह एक गहरी खाई में जा गिरी।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस में गठबंधन, राहुल बोले

जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा दिलाना प्राथमिकता

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस मिलकर लड़ेंगे। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुखिया फारूक अब्दुल्ला ने ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सीटों का बंटवारा बाद में तय किया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना और इसे वापस राज्य का दर्जा दिलाना सबसे जरूरी है। यहां से मेरा खून का रिश्ता है। ऐसे में उम्मीद है कि चुनाव में लोग हमारा साथ जरूर देंगे। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना और इसे वापस राज्य का दर्जा दिलाना सबसे जरूरी है। यहां से मेरा खून का रिश्ता है। ऐसे में उम्मीद है कि चुनाव में लोग हमारा साथ जरूर देंगे। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ दिया है। अब उनकी छाती 56 इंच की नहीं रही। वे कंधे झुकाकर चलते हैं। जम्मू-कश्मीर चुनाव में गठबंधन तभी होगा जब कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को इज्जत मिलेगी।

राहुल गांधी ने कहा कि जब देश के अलग-अलग राज्यों में चुनाव की घोषणा हुई, तो मैंने खरगे जी से मुलाकात की। फिर हमने तय किया कि हमें सबसे पहले जम्मू-कश्मीर जाना चाहिए, क्योंकि हम देश के लोगों को संदेश देना चाहते हैं कि हमारे लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों का प्रतिनिधित्व सबसे जरूरी है। हिंदुस्तान के इतिहास में आजादी के बाद ये पहली बार हुआ है, जब किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है।

मैं आपका डर मिटाना चाहता हूं

श्रीनगर में राहुल गांधी ने कहा कि जिस डर में आप जीते हो, इसको मैं पूरी तरह से मिटाना चाहता हूं। राहुल गांधी ने कहा कि मैं जानता हूं कि आप लोगों को क्या सहना पड़ता है। राहुल गांधी ने कहा कि गठबंधन होगा, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता की इज्जत के साथ होगा, क्योंकि आपने अपनी पूरी जिंदगा कांग्रेस पार्टी को बढ़ाने में और भारत की रक्षा करने में गुजार दी।

आयुष्मान भारत के तहत बीमा कवर को दोगुना करके 10 लाख रुपये और महिलाओं के लिए 15 लाख रुपये तक करने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार आयुष्मान भारत के तहत बीमा कवर को दोगुना करके 10 लाख रुपये और महिलाओं के लिए 15 लाख रुपये तक करने की तैयारी में है। इस योजना के तहत प्राइवेट अस्पताल के 4 लाख बिस्तरों को जोड़ने के साथ-साथ लाभार्थियों की संख्या 55 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ की जा रही है। एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में इस योजना पेश किया गया है।

मीडिया में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, सचिवों के समूह (उदए) ने इस योजना पर रिपोर्ट पेश कर दिया है। अगले पांच वर्षों के लिए लक्ष्य और उनकी उपलब्धि के लिए समयसीमा निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। सामाजिक क्षेत्र के लिए बनी उदए में स्वास्थ्य, आयुष, खेल, संस्कृति और शिक्षा सहित नौ मंत्रालय शामिल हैं। जल्द ही कैबिनेट सचिव के समक्ष एक प्रेजेंटेशन देने की संभावना है।

आयुष्मान भारत योजना नरेंद्र मोदी सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य योजना है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी योजना बताया जाता है। वर्तमान में यह 12.34 करोड़ परिवारों को कवर करते हैं। 55 करोड़ लाभार्थियों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रति परिवार 5 लाख रुपये का वार्षिक कवरेज प्रदान करता है। 30 जून तक इस योजना के तहत 7.37 करोड़ लोगों ने अस्पताल में इस योजना का लाभ उठाया। अब तक 1 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

भाजपा इस योजना को एनडीए सरकार की सफलता की कहानियों में से एक मानती है और इस साल लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी के घोषणापत्र में भी 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को इसका कवरेज बढ़ाने का वादा किया गया है। सचिवों के विभिन्न समूहों को भाजपा के 'संकल्प पत्र' से लक्ष्यों को मैप करने और इसके लिए चुनाव समयसीमा की कल्पना करने का काम सौंपा गया था।

नई रिपोर्ट के मुताबिक, वार्षिक बीमा कवर की राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपये प्रति परिवार किया जा सकता है। वहीं, महिलाओं के मामले में विशिष्ट बीमारियों और विशिष्ट परिस्थितियों के लिए इस कवर को 15 लाख रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। आपको बता दें कि कुल आयुष्मान कार्डों में से लगभग 49ङ महिलाएं हैं। वहीं, अस्पताल में भर्ती होने वालों में लगभग 48ङ महिलाएं हैं।

यूटयूबर ने दी भारत पर परमाणु बम गिराने की धमकी, लोगों का गुस्सा फूटा

लंदन,(ईएमएस)। ब्रिटेन के यूटयूबर ने भारत पर परमाणु बम गिराने की बात कह दी थी। माइल्स रूटलेज नाम के इस युवक को भारतीयों पर नस्लवादी टिप्पणियां करने के बाद सोशल मीडिया पर भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल यह पूरा मामला एक मीम वीडियो से शुरू हुआ जिसे उसने एक्स पर अपलोड किया था।

वीडियो में अमेरिका में छिपे हुए साइलो से परमाणु मिसाइलें निकलती दिखाई दे रही हैं और दुनिया भर में परमाणु युद्ध की बात कही जा रही है। वीडियो शेयर करते हुए रुटलेज ने लिखा-जब मैं इंग्लैंड का पीएम बनूंगा तो मैं ब्रिटिश हितों और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाली किसी भी विदेशी ताकत पर परमाणु साइलो खोल दूंगा। मैं बड़ी घटनाओं की बात नहीं कर रहा हूं, मैं छोटी-सी बात पर पूरे देश को खत्म कर दूंगा। इसके कुछ मिनट बाद रूटलेज ने पोस्ट पर एक कमेंट करते हुए कहा कि मैं भारत पर हमला कर सकता हूं।

पोस्ट शेयर करने के बाद लोगों ने उसकी जमकर खिंचाई शुरु कर दी। उसे ट्रोल से धमकी भरे डीएम भी मिलने लगे। इसके बाद उसने भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियां करना शुरू कर दी। यूटयूबर रुटलेज ने लिखा- मानो या न मानो मुझे भारत पसंद नहीं। साथ ही मैं एक भारतीय को महसूस कर सकता हूं कि वह भारतीय है। अगर कोई ऑनलाइन आदमी अचानक पहली प्रतिक्रिया में आपकी मां को गाली देता है, तो वह भारतीय है। ऐसे कई मामले हैं। इस तरह की टिप्पणी के बाद लोग और भड़क गए। एक्स यूजर्स ने उस पर भारतीयों को भड़काने का आरोप लगाया है।

नाभा जेल ब्रेक कांड का मास्टर माइंड आएगा भारत

चंडीगढ़(ईएमएस)। नाभा जेल ब्रेक कांड के मास्ट माइंड रमनजीत सिंह रोमी को भारत लाया जा रहा है। उसकी हांगकांग से प्रत्यर्पण की मंजूरी मिल चुकी है। उसे पंजाब पुलिस की टीम दिल्ली लेकर आ रही है।इसे पंजाब पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। क्योंकि जेल से भागने वाले लोगों का यह सबसे बड़ा मददगार था। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट डालकर इसकी जानकारी दी है। वहीं, एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स के एआईजी गुरमीत सिंह चौहान ने एसपी, दो डीएसपी समेत छह मेंबरों की टीम उसे लेने गई हुई है। पंजाब पुलिस ही उसे हांगकांग से लेकर आ रही है। उस पर पंजाब में तीन केस दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब पुलिस की बहुत बड़ी अचीवमेंट है। उन्होंने कहा कि विदेशों में बैठे आरोपियों के लिए भी एक सीख है। पुलिस के हाथ बड़े लंबे होते हैं।

पति से अलग रहने वाली महिला ने गुजारे भत्ते के तौर पर हर महीने 6 लाख 16 हजार रुपये की मांग की तो भड़क गईं जज

बेंगलुरु (ईएमएस)। पति से अलग रहने वाली महिला ने गुजारे भत्ते के तौर पर हर महीने 6 लाख 16 हजार रुपये की मांग की तो जज भी भड़क गईं। । हाई कोर्ट में महिला के वकील ने यह मांग पत्र रखा तो जज ने कहा कि यदि महिला को इतनी बड़ी रकम खर्च का बहुत ज्यादा शौक है तो वह खुद भी कमा सकती है। इस केस की सुनवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। महिला के वकील ने पूरे खर्च की डिटेल देते हुए बताया कि कहां-कहां वह हर महीने 6 लाख से ज्यादा की रकम खर्च करना चाहती है। इसके अलावा यह रकम पति को देने का आदेश दिया जाए क्योंकि उसकी कमाई अच्छी खासी है।

इस पर कर्नाटक हाई कोर्ट की जज ने कहा कि ऐसी मांग तो गैर-वाजिब है। उन्होंने कहा कि यह तो अदालत की कार्यवाही का भी दुरुपयोग है। उन्होंने कहा कि यदि वह इतना खर्च की इच्छा रखती हैं तो कमा भी सकती हैं। जज ने कहा, कृपया अदालत को यह न बताएं कि एक आदमी को क्या-क्या जरूरत है। क्या इतनी बड़ी रकम खर्च करता है? वह भी एक महिला अपने ऊपर इतना खर्च करेगी। यदि उसे इतना ही खर्च करना है तो कमा भी सकती है। पति से ही क्यों चाहिए। आपके ऊपर कोई और जिम्मेदारी भी नहीं है। आपको बच्चे भी नहीं पालने हैं। आप अपने लिए ही सब चाहती हैं। सही बात करनी चाहिए।

यही नहीं जज ने महिला के वकील से कहा कि वह दोबारा सही तर्कों के साथ आएं। उचित मासिक खर्च की मांग करें अन्यथा याचिका ही खारिज कर दी जाएगी। दरअसल इस मामले में बीते साल 30 सितंबर को बेंगलुरु की फैमिली कोर्ट ने 50 हजार रुपये प्रति माह का गुजारा भत्ता तय किया था। इस पर महिला हाई कोर्ट चली गई थी। उसका कहना था कि पारिवारिक न्यायालय ने उसके पति की कमाई पर गौर ही नहीं किया।

जन हितैषी

सेबी प्रमुख माधवी बुच के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास चर्चाओं में

हिडेनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद सेबी प्रमुख माधवी बुच की नियुक्ति और उनके एक औद्योगिक परिवार से रिश्तों को लेकर देश की राजनीति में भूचाल आया हुआ है। विपक्ष जेपीसी से जांच की मांग पर अड़ा हुआ है। सरकार अभी तक इस मामले में मौन है। राजनीतिक हल्कों में अब रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी चर्चाओं में आ गए हैं। 8 नवंबर 2016 को सरकार ने 500 और 1000 रूपये के नोट तत्काल प्रभाव से प्रचलन से बाहर किए थे। नोटबंदी के समय कहा गया था, कि देश में जो कालाधन है, वह नोटबंदी के बाद समाप्त होगा। कालाधन 500 और 1000 रूपये के नोटों में एकत्रित करके रखा गया है। कालाधन समाप्त होने से आतंकवादी एवं नक्सलवादी गतिविधियों पर विराम लगेगा। जाली नोटों से छुटकारा मिलेगा। कालाधन पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। नोटबंदी लागू होने के 6 माह पहले से ही इसकी कार्ययोजना गुप्त रूप से तैयार की जा रही थी। इसकी जानकारी मंत्रिमंडल को भी नहीं थी। नोटबंदी के निर्णय में जिनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी, उनमें प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव नृपेंद्र मिश्रा, वित्त सचिव अशोक लवासा और आर्थिक मामलों के सचिव शक्तिकांत दास प्रमुख थे। 8 नवंबर को जब नोटबंदी की गई थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया था, देश का कालाधन पूरी तरह से समाप्त होगा। आतंकवादी और नक्सली वारदात खत्म होंगी। जाली नोट शत-प्रतिशत समाप्त हो जाएंगे। देश की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। भ्रष्टाचार खत्म होगा। नोटबंदी के कुछ माह पश्चात उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव थे। 1000 और 500 रूपये के नोट बंद होने से वहां गैर भाजपा दल ढंग से चुनाव नहीं लड़ पाए। भाजपा ने उत्तर प्रदेश का चुनाव बहुमत के साथ जीता। केंद्र सरकार ने इसे नोटबंदी की जीत बताया। नोटबंदी के समय सरकार ने जो दावे किए थे, उसका कोई भी लक्ष्य सरकार प्राप्त नहीं कर पाई। 99 फ़ीसदी से अधिक 1000 और 500 रूपये के नोट रिज़र्व बैंक में वापस आ गये। आतंकवादी और नक्सली घटनाओं की गतिविधियों में कोई विशेष कमी नहीं आई। कालाधन भी सरकार खत्म नहीं कर पाई। रिजर्व बैंक अभी तक इसका आंकड़ा जारी नहीं कर पाया है। रिजर्व बैंक ने 1000 और 500 के जो नोट जारी किए थे, उसमें कितने नोट वापस आए। उल्टे नोटबंदी के बाद देश में जो कालाधन था, वह बैंकों के माध्यम से व्हाइट मनी के रूप में परिवर्तित हो गया। सारा कालाधन व्हाइट मनी के रूप में परिवर्तित होकर शेयर बाजार के माध्यम से कमाई करने का नया जरिया बन गया। नोटबंदी के बाद से शेयर बाजार दिन-दूनी, रात चौगुनी गति से बढ़ता चला गया। नोटबंदी के समय उर्जित पटेल रिजर्व बैंक के गवर्नर थे। वह नोटबंदी के निर्णय से इतना घबराये, उन्होंने समय पूर्व इस्तीफा दे दिया। 2019 तक उर्जित पटेल का कार्यकाल था, लेकिन उन्होंने 10 दिसंबर 2018 को इस्तीफा दे दिया। भारत सरकार ने उनके स्थान पर शक्तिकांत दास को भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बना दिया। शक्तिकांत दास भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। इतिहास विषय से उन्होंने ग्रेजुएट किया था। 1980 में वह भारतीय प्रशासनिक सेवा तमिलनाडु कैडर के अधिकारी हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के रूप में उनकी पद स्थापना अधिकांश समय वित्त विभाग से संबंधित विभागों में होती रही है। रिजर्व बैंक का गवर्नर 3 साल के लिए बनाया जाता है। संतुष्ट होने पर सरकार पुनः तीन साल के लिए कार्यकाल बढाती है। 11 दिसंबर 2018 से शक्तिकांत दास रिजर्व बैंक के गवर्नर हैं। 10 दिसंबर 2024 तक उनका कार्यकाल रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में रहेगा। रिजर्व बैंक गवर्नर के पद पर बैंकिंग सेवाओं से जुड़े हुए अधिकारियों की ही नियुक्ति होती रही है। सरकार बाहर से अर्थशास्त्रियों को लाकर रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाती रही है। डॉ मनमोहन सिंह, सी रंगराजन, विमल जालान, रघुराम राजन, उर्जित पटेल सभी अर्थशास्त्री थे। शक्तिकांत दास भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। केंद्र सरकार द्वारा माधवी बुच को पहले सेबी में डायरेक्टर के पद पर नियुक्ति की गई। उसके बाद उन्हें सेबी का प्रमुख बना दिया गया। हिंडनबर्ग की जो रिपोर्ट आई है। उसके अनुसार माधवी बुच और उनके पति की कंपनी का एक औद्योगिक समूह के साथ रिश्ता चर्चाओं में आ गया है। औद्योगिक समूह के इशारे पर उन्हें सेबी में लाया गया था। अब इसी तरह से रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास,जो नोटबंदी के मामले में नोटबंदी लागू होने के,पहले से ही आर्थिक मामले के प्रमुख होने से जुड़े हुए थे। पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल के इस्तीफा देने के बाद सरकार ने उन्हें रिजर्व बैंक का गवर्नर बना दिया। दूसरा कार्यकाल भी शक्तिकांत दास को दिया गया। नोटबंदी में हुई गड़बड़ियों में शक की सुई, रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की ओर घूमने लगी है। जब से वह रिजर्व बैंक के गवर्नर बने हैं, उसके बाद से भारत की आर्थिक स्थिति मैं लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर पिछले वर्षों कई बार चेतावनी दे चुके हैं। जिसे केंद्र सरकार ने समय-समय पर नजरअंदाज कर दिया। जिस तरह से आर्थिक बदहाली की ओर भारत की अर्थव्यवस्था जा रही है, उसके बाद अगला निशाना शक्तिकांत दास बनने जा रहे हैं। शक्तिकांत दास के बारे में कहा जा रहा है, कि वो सरकार के इशारे पर सारे निर्णय लेते हैं। रिजर्व बैंक एक स्वतंत्र निकाय है। उसका काम करने का तरीका अलग है। सरकार के काम करने का तरीका अलग होता है। वैश्विक स्तर पर रिजर्व बैंक की एक अलग जिम्मेदारी होती है। वर्तमान में जिस तरह की स्थिति बन गई है। उसमें भारत सरकार और रिजर्व बैंक के आंकड़ों को लेकर, सारे विश्व में नकारात्मक धारणा बनती चली जा रही है। भारत सरकार और द्वारा जो आकंड़े जारी किए जा रहे हैं, उनकी विश्वसनीयता पर अब सवाल उठने लगे हैं। शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी की तरह रिजर्व बैंक की भी विश्वसनीयता भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेह की नजर से देखी जा रही है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शशिकांत दास भी विपक्ष के निशाने पर हैं। नोटबंदी के बाद जिस तरह से देश की आर्थिक स्थिति खराब हुई है। वर्तमान में विपक्ष आक्रमक होता हुआ नजर आ रहा है। शक्तिकांत दास अब निशाने पर हैं।

आज का चलन : राजनीति में ''घर का जोगी जोगड़ा'' का औचित्य....?

भारत की आजादी के अब तक के समय में हर कहीं भारी बदलाव नजर आया है, इसमें राजनीति भी शामिल है, अब भारतीय राजनीति से धीरे-धीरे नेहरू युग से चला आ रहा वंशवाद खत्म होने के कगार पर है, यह एक अच्छी बात है, किंतु इसके साथ ही राजनीति में एक गलत परम्परा भी जन्म ले रही है। जिसके तहत स्थानीय (लोकल) राजनेताओं की उपेक्षा कर बाहरी नेताओं को विशेष महत्व देना है, अर्थात् आज राजनीति में घर के जोगी (नेता) को 'जोगड़ा' मान कर 'आनगांव' (बाहरी) के नेताओं को 'सिद्धपुरूष' मानकर उनको महत्व दिया जा रहा है, यद्यपि भारतीय राजनीति में यह चलन कोई नया नही है, किंतु अब जैस-जैसे राजनीतिक जागरूकता बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे इस चलन को लेकर विद्रोह की चिंगारी भी फैलती जा रही है, आज हमारी संसद व विधानसभाओं में सैकड़ों सदस्य ऐसे मिल जाएगें जिनका अपने निर्वाचन क्षेत्र से दूर का भी रिश्ता नही है। अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रति इस तरीके से अनजान इन जन-प्रतिनिधियों का क्षैत्रिय विकास में कितना योगदान मिल पाएगा, यही आज की राजनीति का मूल प्रश्न है, जिसका उत्तर न उनके सम्बंधित राजनीतिक दलों के पास है और न स्वयं उनके पास? किंतु किया क्या जाए, यह ''एडजस्टमेंट'' की नीति राजनीति तो क्या मानव जीवन के हर क्षेत्र में दुःखदायी सिद्ध हो रही है, और राजनीतिक दलों की यह विवशता उनके अपने दलों व उनके कार्यकर्ताओं पर कितनी भारी पड़ रही है? इसका अंदाज शायद राजनीतिक दलों के आकाओं को भी नही है, किंतु यह तय है कि जिस दिन राजनीतिक दल का आम कार्यकर्ता इस चलन के खिलाफ आवाज उठाने का साहस जुटा लेगा, उस दिन राजनीतिक दलों व उनके आकाओं को अपना सिर छुपाने की भी जगह नही मिल पाएगी।

आज राजनीति की थोड़ी भी जानकारी रखने वाला शख्स आम कार्यकर्ता के इस दर्द को समझने लगा है, दलों के आका भी आम कार्यकर्ता के इस दर्द को समझते है, किंतु वे आज के इस चलन के सामने विवश होकर नतमस्तक है, किंतु यह तय है और मेरा ऐसा मानना है कि राजनीति की यह कुप्रथा एक दिन भारतीय राजनीति में विस्फोट अवश्य करेगी और कितने राजघराने ध्वस्त होगें उसकी फिलहाल कल्पना करना भी मुश्किल है। स्थानीय कार्यकर्ताओं या राजनीतिक दलों की बुनियाद का यह विस्फोट राजनीतिक दलों को काफी भारी पडेगा। अब धीरे-धीरे आम कार्यकर्ता की उपेक्षा हर कार्यकार्ता अंदर से काफी नाराज व परेशान है और जिस दिन उसकी नाराजी विस्फोट का रूप ले लेगी उस दिन राजनीतिक आकाओं की काफी मुश्किल होने वाली है।

इसलिए अब इस रहस्य को राजनीतिक दलों व उसके नेताओं का उजागर कर इसे खत्म करने का समय रहते प्रयास करना चाहिए, वर्ना फिर हमारी राजनीति में कितने बदलाव आएगें? इसकी कल्पना भी फिलहाल मुश्किल है। (लेखक–ओमप्रकाश मेहता/ईएमएस)

देश में सुरक्षा का वातावरण नहीं है आखिर क्यों? सोचना चाहिए

कोलकता में एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या भी कर दी गई। यह अत्यधिक दुखद घटना है। इसके विरोध में पूरे देश के डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। डॉक्टरों के साथ यह पहली घटना नहीं है। डॉक्टर अब सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मांग रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी सुरक्षा के लिए केन्द्रीय सरकार कानून बनाए। यहाँ यह बताना आवश्यक होगा कि पूरे देश में इस समय असुरक्षा की भावना है। समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं जो अपने को असुरक्षित महसूस नहीं कर रहा हो। यहां तक कि वे भी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं जिन पर दूसरों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी है। आखिर क्यों? शायद इसलिए कि लोगों में अब कानून का भय खत्म हो गया है। प्रसिद्ध शासकीय अधिकारी श्री एम. एन. बुच (जो अब नहीं हैं) बताते थे कि जब वे बैतूल में कलेक्टर थे किसी विषय को लेकर एकाएक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने आक्रामक रूप ले लिया। जिस स्थान पर भीड़ थी और अपना रोष प्रकट कर रही थी, उस स्थान पर पुलिस का एक ही सिपाही था। उसने भीड़ के लिए एक रेखा खींच दी और और कहा कि जो इस रेखा को पार करेगा उसे सख्त कानून का सामना करना पड़ेगा। उसकी इस चेतावनी का असर हुआ और भीड़ आगे नहीं बढ़ पाई।

लॉ एंड आर्डर अथोरिटी अधिकारियों का ऐसा ही दबदबा हुआ करता था। अब तो आए दिन यह खबरे मिलती हैं कि रेत खनन माफिया ने बड़े अधिकारी पर हमला किया। जब उसने उनके विरूद्ध चोरी कर रेत ले जाने का अपराध कायम किया। अभी तक कई बड़े-बड़े अधिकारी खनन माफिया के शिकार हो चुके हैं।

अनेक कॉलेजों में और स्कूलों में आए दिन शिक्षकों पर हमले होते हैं। कुछ दिन पहले उज्जैन में सरेआम एक शिक्षक की हत्या कर दी गई। अभी हाल में भोपाल के एक कॉलेजों के संचालक पर दिन-दहाड़े हमला कर दिया गया। हमला करने वाले विद्यार्थी परिषद से संबंधित थे। विद्यार्थी परिषद इस समय के सत्ताधारी पार्टी से संबंधित हैं। रेलवे में यदि टीआई टिकट का पूछता है तो उस पर हमला कर दिया जाता है। अतिक्रमण कर अनेक लोग मकान बना लेते हें। जब अधिकारी उनको हटाने जाते हैं तो उन पर हमला कर दिया जाता है। बिजली का बिल नहीं देने पर बिजली बोर्ड के अधिकारी उस क्षेत्र की बिजली काटने जाते हैं तो उन्हें मारकर भगा दिया जाता है। बैंक का कर्ज वसूल करने के लिए यदि टीम जाती है तो उसे मोहल्ले में प्रवेश नहीं दिया जाता है। महिलाओं के साथ आए-दिन दुष्कर्म हो रहे हैं। जब अपराधी को गिरफ्तार करने की कोशिश की जाती है तो इसी तरह की प्रतिक्रिया होती है और प्रभावशाली व्यक्ति उस अपराधी की रक्षा में खड़े हो जाते हैं।

अभी हाल में एक भाजपा के विधायक ने सांसदों को गाली (चूतिया कहा) दी और कहा कि इन्हें संसद से बाहर कर दिया जाये। अभी तक उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई पता नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में विरोधी दल के बड़े नेता इकट्ठा हुए थे। भाजपा ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पटना में चोरों का सम्मेलन हो रहा है।

कुल मिलाकर यदि वास्तविक हिंसा नहीं तो एक-दूसरे के बारे में हम हिंसक भाषा का उपयोग कर रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए? यदि डॉक्टर के साथ हिंसा जारी रही तो फिर रोगियों का क्या होगा। कोलकता की घटना के पीछे क्या तथ्य हैं यह पता नहीं लगा है। परंतु जो समाज को संचालित करते हैं और जिनका समाज पर दबदबा रहना चाहिए यदि वे ही ऐसी स्थिति में आ जाएं कि वे असामाजिक तत्वों से डरें और अपना कर्तव्य निर्वहन न कर पाएं तो पूरे समाज में अराजकता फैल जाएगी। ब्रिटेन में पुलिस का इतना दबदबा है कि साधारणतः असामाजिक तत्व अपना सिर नहीं उठा पाते हैं। अमरीका में भी असामाजिक तत्वों को भी डर कर रहना पड़ता है। वहां न्याय की प्रक्रिया अत्यधिक दुरत गति से चलती है। अभी कुछ दिन पहले वहां के एक काले नागरिक को गौरे पुलिस वाले ने मारडाला था। उसका अपराध दुरत गति से तय हुआ और उसे आवश्यक सज़ा दी गई। हमारे देश में तो बरसों लग जाते हैं एक अपराधी को दंडित करने में। हमारे वर्तमान देश के मुख्य न्यायाधीष श्री चंद्रचूड़ इस संबंध में अनेक बार चिंता प्रकट कर चुके हैं। परंतु फिर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है।

सुरक्षा अकेली डॉक्टरों की नहीं पूरे समाज की आवश्यक है। यह कैसे संभव हो इस पर पूरे देश को विचार करना आवश्यक है। वैसे जहां तक डॉक्टरों की सुरक्षा का सवाल है आम लोगों में डॉक्टरों की प्रतिष्ठा में काफी कमी आई है। आम लोगों का चिंतन है कि डॉक्टर साधारणतः उनसे ज्यादा वसूली करते हैं। इस समय तो जो डॉक्टर अपने को प्रतिष्ठित समझते हैं उनमें से बहुसंख्यक ने अपनी कंसल्टेशन फीस 1000/- रूपए तक कर दी है। फिर कई किस्म की जाँचों को करवाना भी आवश्यक बता देते हैं। इनमें खून की जांच, एक्स-रे और भी अनेक किस्म की जांचे शामिल हैं।

स्वर्गीय बाबूलाल गौर एक किस्सा बताते थे। चुनाव में उनके विरोध में भोपाल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर बिसारिया चुनाव लड़ रहे थे। वे मतदाताओं से संपर्क कर रहे थे। जब वे एक वरिष्ठ मतदाता के पास पहुंचे और उनसे वोट देने का अनुरोध किया तो उस मतदाता ने कहा कि मेरा वोट आपको उसी समय मिलेगा जब आप मुझे 200 रूपये देंगे। बिसारिया जी ने उस मतदाता से पूछा कि वोट देने के लिए पैसे की मांग तो मैं पहली बार सुन रहा हूँ। इस पर उस मतदाता ने कहा कि जब मैं आपके पास अपनी बीमारी का इजाल करवाने गया तो आपने पहले 200 रूपए रखवा लिये थे और सिर्फ मेरी नाड़ी देखकर मेरा इलाज बता दिया था। इस पर डॉक्टर बिसारिया को हंसी आना स्वभाविक था। परंतु यह एक उदाहरण है कि आम आदमी डॉक्टरों के बारे में क्या रवैया रखता है। आए दिन अखबारों में इस तरह के लेख छपते हैं कि जितने लोग डॉक्टरों के इलाज से ठीक होते हैं उतने ही लोग डॉक्टरों द्वारा गलत प्रिस्क्रिप्शन बताने से मरते हैं। फिर दवाईयों की कीमतों में अनापशनाप पैसा वसूल होता है। कुल मिलाकर आम आदमी के लिए इलाज उसकी पहुंच से बाहर हो गया है। यहां पर मैं दो अद्भुत उदाहरण देना चाहूंगा।

इंदौर में एक जाने-माने डॉक्टर थे। वे अपनी परामर्श फीस के रूप में सिर्फ 16 रूपए लेते थे। उनका ज्ञान भी अद्भुत था। भारी संख्या में लोग उनके पास इलाज के लिए जाते थे। एक मौका ऐसा आया जब इंदौर के अनेक डॉक्टरों ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी परामर्श फीस बढ़ा दें परंतु वे अपनी फीस पर कायम रहे। इसी तरह इंदौर के कम्युनिस्ट नेता होमीदाजी थे उनकी बेटी थी रोशनी। वह मोस्को से मेडिकल शिक्षा लेकर आई थी। उसने अपना क्लीनिक इंदौर की एक गरीब बस्ती में खोला और परामर्श शुल्क के रूप में वह सिर्फ 5 रूपए लेती थी। दुर्भाग्य से कुछ दिनों में उसकी कैंसर की बीमारी से मृत्यु हो गई। कुल मिलाकर यदि डॉक्टर आम जनता का ख्याल रखें तो जनता ही उनकी रक्षा करेगी। भोपाल में आँख के एक बड़े डॉक्टर थे संतोष सिंह। उनका कोई रोगी निरोग होकर अपने गाँव जाना चाहता था तो वे उससे पूछते थे कि जाने के लिए तेरे पास किराया है? यदि वह कहता था कि नहीं तो प्रायः वे अपनी पॉकेट से उसको पैसे दे देते थे। दवाईयां तो वह प्रायः मुफ्त दिया करते थे। इन सारे तथ्यों के बावजूद डॉक्टरों को सुरक्षा की आवश्यकता है और शासन को उसे उपलब्ध करवाना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ उपाय सुझाए हैं। आशा है कि इन पर अमल होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने टॉस्क फोर्स बनाई है जो डॉक्टरों को किस प्रकार की सुरक्षा दी जाए इसकी सिफारिश करे। इस समय जनप्रतिनिधियों चाहे सांसद हो, चाहे विधायक हो शासन के द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है, और भी महत्वपूर्ण व्यक्तियों को सुरक्षा दी जाती है। सुरक्षा में कभी-कभी एक दर्जन सुरक्षाकर्मी भी लगाए जाते हैं। कभी-कभी इनकी संख्या आवश्यकता से भी ज्यादा होती है। इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि क्या सभी सांसदों और विधायकों को इतनी सुरक्षा की आवश्यकता है? कुल मिलाकर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है जिसपर अधोपांत विचार होना चाहिए। (लेखक - एल.एस. हरदेनिया/ईएमएस)

स्त्री आज भी क्यों कमाई का सबसे बड़ा जरिया है?

दुनिया में जो देश नारी की पूजा का दावा करता है उसी देश में नारी की सुरक्षा आज राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा है। ये मुद्दा लालकिले की प्राचीर से भी गूंजता है। उत्तर से दक्षिण तक,पूरब से पश्चिम तक ये एक समान मुद्दा है। ये मुद्दा राजनीति का भी है ,क़ानून और व्यवस्था का भी है ,समाज का भी है और अदालत का भी। फिर भी स्थिति ये है कि आज हम दुनिया के उन दुर्भाग्यशाली देशों में शुमार किये जा रहे हैं जहां नारी सबसे ज्यादा असुरक्षित,सबसे ज्यादा अपमानित,शोषित और पीड़ित है। कोई माने या न माने लेकिन ये सच है कि नारी यानि स्त्री यानि अबला सबके लिए आज भी वस्तु है,फिर चाहे वो सिनेमा हो,बाजार हो या सियासत हो।

हम और हमारा समाज मनुवादी है ,बिलकुल नहीं बदला ,मनुस्मृति कहती है -

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।

यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः। मनुस्मृति 3/56 । लेकिन मुझे लगता है कि मनुस्मृति झूठ कहती है। मनुस्मृति के आधार पर चलने वाले लोग झूठे है। वे नारी की पूजा केवल स्मृतियों में करते हैं ,वास्तविकता में नहीं।। मनुस्मृति से ज्यादा सच तो हमारे दद्दा मैथलीशरण गुप्त बोलते रहे ,वे लिख गए कि -

अबला जीवन है तुम्हारी यही कहानी
आँचल में है दूध और आँखों में पानी

हम सदियों से स्त्रियों के बारे में अपनी सोच नहीं बदल पाए। आजादी के बाद भी हमारी सोच स्त्रियों को लेकर पाशविक ही बनी हुई है ,अब इसके लिए न नेहरू जिम्मेवार हैं ,न इंदिरा गांधी और आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी। इसके लिए हमारी सोच जिम्मेदार है। इसे बदलने के लिए कोई कुछ नहीं करना चाहता। सब स्त्री सुरक्षा के नाम पर राजनीति करना चाहते हैं। स्त्री बंगाल में लुटे-पिटे या मार दी जाये तो मुद्दा स्त्री सुरक्षा का बना दिया जाएगा लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में स्त्री को ज़िंदा जला दिया जाये, सामुहिक बलात्कार किया जाये,उसे सामान की तरह बेच दिया जाये ,उससे जिस्म फरोशी कराई जाए तो राजनीति के लिए कोई समस्या नहीं है । अदालत के लिए कोई समस्या नहीं है । स्त्री सुरक्षा के मुद्दे पर हमारा या किसी का सर शर्म से नहीं झुकता ,झुक भी नहीं सकता ,क्योंकि हम सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। हमारे लिए स्त्री केवल वस्तु है।

राजनीति में स्त्री की अस्मिता का मुद्दा आपको सत्ता तक ले जाता है, यानि राजनीति में स्त्री सत्ता के लिए एक सीढ़ी से ज्यादा कुछ नहीं है। हम जैसे बाजार में स्त्री को एक सामान की तरह बिकने के लिए बैठने पर मजबूर करते हैं वैसे ही राजनीति में भी स्त्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। वे स्त्रियां अपवाद हैं जो पुरुष प्रधान और मनुवादी समाज में भी राजनीति में शीर्ष पर पहुंची और उन्होंने पुरुषों को उनकी औकात दिखाई ,बाकी तो केवल दही शक़्कर खिलाने के काम आने वाली स्त्रियां होतीं हैं। राजनीति में इंदिरा गाँधी और समाज में मदर टेरेसा कम ही जन्म लेती हैं। हमारे समाज में स्त्री आज भी एक गाली है और सबसे पहले इस्तेमाल की जाती है।

हाल ही में मै श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 के बारे में पढ़ रहा था। ये फिल्म अपनी रिलीज के पहले दिन से ही रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन कर रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कब्जा किए हुए हैं और हर रोज करोड़ों की कमाई कर रही है। स्त्री 2 महज हफ्ते भर के कलेक्शन के साथ अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ क्लब में एंट्री लेने के करीब आ गई है। कहते हैं की स्त्री 2 ने प्रीव्यू और रिलीज के साथ पहले दिन 76.5 करोड़ रुपए कमाए थे। दूसरे दिन फिल्म ने 41.5 करोड़, तीसरे दिन 54 करोड़, चौथे दिन के 58.2 करोड़ और पांचवें दिन 38.4 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। छठे दिन भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 25.8 करोड़ रुपए बटोरे। वहीं अब सातवें दिन के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं जिसके मुताबिक फिल्म ने अब तक 20 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है।

भारत में स्त्री 2 ने हफ्ते भर में अब तक कुल 287.4 करोड़ रुपए कमा लिए है। इसी के साथ स्त्री 2 साल की सबसे बड़ी फिल्म फाइटर के लाइफटाइम कलेक्शन से आग निकल गई है. बता दें कि फाइटर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 254.83 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया था. स्त्री 2 ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में भी फाइटर को शिकस्त दे दी है.आपको याद होगा की 15 अगस्त को रिलीज हुई स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर कई हिंदी और साउथ फिल्मों से टकराई थी।

मैंने स्त्री-2 का उदाहरण जानबूझकर आपके सामने रखा है। मेरे कहने का आशय ये है कि स्त्री धरती की तरह उर्वरा भी है सहनशील भी ,लेकिन उसके इन गुणों का दुरूपयोग किया जा रहा है। पुरुष प्रधान समाज की राजनीति,और सत्ता मिलजुलकर स्त्री समाज को मूर्ख बना रही है । यदि आप भूले न हों तो हमारे देश की सरकार ने पिछले साल संसद में एक नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित कराया था। क्या हुआ उस क़ानून का ? कितनी वंदना कर दिखाई सरकार ने नारियों की । ले-देकर सत्ता में एक सूबे की मुख्यमंत्री के पीछे पूरी सत्ता हाथ धोकर पड़ी है ,जैसे उसी ने कोलकाता में एक महिला चिकित्स्क के साथ ज्यादती की व्यवस्था की हो ? हमारी न्याय व्यवस्था को भी वही सब दिखाई दे रहा है जो सत्ता को दिखाई देता है। हमारी अदालतें भी तो आखिर पुरुषवादी और मनुवादी है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां माननीय न्यायधीशों ने बाकायदा मनु स्मृति के प्रावधानों का उल्लेख अपंने फैसलों में किया है।

मैंने दुनिया के दर्जनों देशों का भ्रमण किया है। उन देशों का भी जहाँ की पूरी अर्थ व्यवस्था नारियों की जिस्म फरोशी पर टिकी है लेकिन वहां भी नारियों के साथ वैसी ज्यादती नहीं होती ,जैसी भारत में होती है। भारत में नारी स्वातंत्र्य केवल एक नारा है ,जुमला है। हकीकत में भारतीय नारी सबसे ज्यादा असुरक्षित, शोषित ,पीड़िता है। मौजूदा स्थित में बदलाव कोई क़ानून नहीं कर सकता,कोई सरकार नहीं कर सकती । इसके लिए हमें देश की उस आधी आबादी का दिमाग बदलना होगा जो स्त्री के प्रति दुर्भाव रखती है। मानसिकता का बदलाव करने के लिए हमें हमारी शिक्षा प्रणाली ,बदलना होगा । महिलाओं को देखने का नजरिया बदलना होगा। जब तक ये सब नहीं होगा ,तब तक मणिपुर में स्त्रियां अलग जलेंगी और बंगाल में अलग। कश्मीर में अलग और उत्तर प्रदेश में अलग। इस दुरावस्था को बदलने के लिए स्त्रियों को पुरुष समाज से खुद ही लोहा लेना होगा। उनकी वंदना क़ानून से तो होने से रही। क़ानून तो हमारे यहां बहुत से हैं लेकिन स्त्रियों की सुरक्षा इनसे नहीं हो पा रही ,बिलकुल नहीं हो पा रही। हमारे यहां स्त्रियों से सालों बलात्कार के 25 हजार मामले दर्ज होते हैं और सजा होती है केलव 27 -28 फीसदी लोगों को। दुर्भाग्य तो ये है कि सजायाफ्ता अपराधी भी फरलो जैसे घृणित कानूनों का इस्तेमाल कर मौज कर रहे होते हैं। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

केरल सरकार श्रीजेश को 2 करोड़ रुपए का इनाम देगी

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। केरल सरकार ने घोषणा की है कि भारतीय हॉकी टीम के स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। श्रीजेश ने पूरे टूर्नामेंट में एक दीवार की तरह खड़े होकर गोल होने से रोके थे। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में श्रीजेश के खेल में योगदान को देखते हुए ये इनाम दिये जाने पर फैसला लिया गया। इसमें कहा गया, 'पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास ले लिया था। श्रीजेश दो दशक से भारतीय टीम के गोलकीपर हैं। उन्होंने कई अवसरों पर कप्तानी भी की है। पिछले ओलंपिक में भी उन्होंने भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

शब्द पहेली - 8106

बाएँ से दाएँ
1.आकाश,व्योम-2
2.नाजुक,मुलायम-3
4.हार,पराजय-2
6.संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7.जोर,बल-2
9.सोना,धतूरा-3
12.नाप-जोख करना-3
14.सिक्कों की आवाज-3
16.रहस्यज्ञाता-4
17.तालाब,ताल,तलैया-4
18.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20.गिरवी वस्तु-3
22.सैनिक कार्रवाई-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.बर्तन-2
27.सुर,क्रम-2
28.वाचन करने वाला-3
29.पितामह-2

ऊपर से नीचे
1.लवण-3
2.भीगा हुआ-2
3.खुमार,नशा-2
5.सर्दी में हाथ सेंकना-3
6.भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8.इंकार,मनाही-2
10.मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11.आम जनता-2
13.लालन-पालन-5
14.इमाम दस्ता -3
15.वचन,प्रतिज्ञा-3
19.रुखसार,कपोल-2
20.पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21.नाखून-2
22.सखा,दोस्त-2
23.निजात,छुटकारा-3
25.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26.पवित्र-2

शब्द पहेली -8105 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बना सकते हैं रुट

मैनचेस्टर (ईएमएस)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट श्रीलंका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। वह इस सीरीज में 5,000 रन पूरे कर सकते हैं। रुट ने अब तक 56 टेस्ट मैचों की 100 पारियों में 49.97 की औसत से 4598 रन बनाए हैं। अब 5,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें केवल 402 रनों की और जरुरत है। यदि रूट इस सीरीज में 402 रन बनाते हैं, तो वह आईसीसी विश्वक टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) में 5,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इससे पहले, उन्होंने डब्लयूटीसी में 4,000 रन बनाये थे।

जो रूट के बाद दूसरे स्थान पर चल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन हैं, जिन्होंने अब तक 45 टेस्ट की 82 पारियों में 3904 रन बनाए हैं। यह आंकड़ा भी रूट के 4,000 रन के रिकॉर्ड के करीब नहीं है। वहीं भारत के रोहित शर्मा 2,552 रनों के साथ 8वें स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 2,235 रनों के साथ 14वें स्थान पर हैं। रूट के पास इसके अलावा और भी रिकॉर्ड बनाने का मौका है। यदि रूट पहले टेस्ट में 290 रन बनाते हैं, तो वह श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड एलेस्टर कुक के नाम है, जिन्होंने 16 टेस्ट मैचों में 1290 रन बनाए हैं। रूट के पास अब तक 1001 रन हैं और वह इस रिकॉर्ड के करीब पहुंच सकते हैं। यदि रूट 446 रन और बनाते हैं, तो वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बन जाएंगे। एलेस्टर कुक का रिकॉर्ड 12,472 रन का है, जबकि जो रूट के नाम पर अब तक 12,027 रन हैं।

श्रीलंका के रथनायके ने डेब्यू मैच मेंही रिकार्ड बनाया, नौवे नंबर पर सबसे अधिक रन बनाये

मैनचेस्टर (ईएमएस)। श्रीलंका के युवा क्रिकेटर मिलन रथनायके ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले ही दिन अपनी डेब्यू मैच में ही नया रिकार्ड बना दिया। रथनायके ने 9वें स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाकर अब तक के सभी रिकार्ड तोड़ दिये। इससे पहले भारत के बलविंदर संधू के नाम 1983 में पाकिस्तान के खिलाफ 71 रनों का रिकार्ड था। इस प्रकार रथनायके ने अब 41 साल पुराना ये रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पहले दिन के खेला का आकर्षण रथनायके की पारी रही। जब वह उतरे तब श्रीलंका का स्कोर सात विकेट पर 113 रन था। उसके बाद टीम ने 236 रन बनाये।।

रथनायके ने 135 गेंदों पर 72 रन बनाए। रथनायके ने कप्तान धनंजय डी सिल्वा के साथ मिलकर 8वें विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी की। वह युवा स्पिनर शोएब बशीर का शिकार बने। बशीर की गेंद पर रथनायके ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर गेंद हवा में उछल गयी और मिड-ऑन पर वोक्स ने कैच लेकर उन्हें पेवेलियन भेज दिया।

टी20 विश्व कप का आयोजन स्थल बदलने से हमें कोई फर्क नहींपड़ेगा : दीप्ति

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि टी20 विश्व कप के आयोजन स्थल में हुए बदलाव से हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दीप्ति ने कहा कि हमारा लक्ष्य पहले भी जीत दर्ज करना था और अब भी वही है। साथ ही कहा कि अचानक स्थल बदलने से हमारी तैयारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए विश्वकप संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित कर दिया है हालांकि मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ही रहेगा। तीन से 20 अक्टूबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट अब दुबई और शारजाह में होगा। हाल ही में इंग्लैंड में द हंड्रेड में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वदेश लौटी दीप्ति ने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि विश्व कप कहां हो रहा है। मैं सिर्फ इस बात पर ध्यान केंद्रित करती हूं कि एक ऑलराउंडर के रूप में मैं टीम की सफलता में कैसे योगदान दे सकती हूं।'

दीप्ति ने कहा, 'मैं बस अपना सब कुछ देना चाहती हूं और पिछले चार-पांच महीने हमारे लिए अच्छे रहे हैं। उम्मीद करते हैं कि अच्छा प्रदर्शन जारी रहेगा और इस बार हम ट्रॉफी के इंतजार को खत्म करेंगे। हमें थोड़ी जानकारी है कि यूएई के विकेट कैसे होते हैं।' इस ऑलराउंडर ने कहा, 'मैं इस समय अपने क्रिकेट का आनंद उठा रही हूं और इससे मुझे अपने ऊपर से दबाव हटाने में मदद मिली है। मैंने अन्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों से सीखा है कि जब आप खेल का आनंद लेना शुरू करते हैं, तो आप मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं।' दीप्ति ने लंदन स्पिरिट वुमेन के लिए द हंड्रेड 2024 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को विजयी छक्का लगाकर उसका पहला खिताब दिलाया था।

रोहित और विराट अवार्ड से सम्मानित

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और तेज गेंदबाज मो शमी को सम्मानित किया गया। रोहित को यहां आयोजित इस समारोह में 'सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स 2023-24 का 'मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला है। वहीं पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को 'मेन्स ओडीआई बैटर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला। इसके अलावा 2023 के क्रिकेट विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तेज मोहम्मद शमी को भी 'ओडीआई बॉलर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल को 'मेन्स टेस्ट बैटर ऑफ द ईयर और आर अश्विन को 'मेन्स टेस्ट बॉलर ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। इसके अलावा खेल प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए बीसीसीआई सचिव जय शाह को भी इस दौरान सम्मानित किया गया।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी एशेज जितनी ही अहमः स्टार्क

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी एशेज की तरह ही एक महत्वपूर्ण सीरीज है। स्टार्क के अनुसार इस साल के अंत में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में उनकी टीम जीत के लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास करेगी। इस सीरीज में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह सीरीज भी एक प्रकार से प्रतिष्ठित एशेज जैसी ही हो जाएगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली इस सीरीज में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे अब यह एशेज श्रृंखला के समान ही महत्वपूर्ण हो गई है। ऑस्ट्रेलिया पिछले एक दशक से ही ये ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार सीरीज जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क के अनुसार उनकी टीम को इस बार केवल जीत नहीं बल्कि क्लीन स्वीप की जरुरत है।

उन्होंने कहा, 'हम अपनी धरती पर हर मैच जीतना चाहते हैं पर हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक पर कायम है। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक सीरीज रहेगी। स्टार्क ने कहा है कि अभी उनका टेस्ट प्रारुप से संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह खेलते रहेंगे। वह अगले महीने सीमित ओवरों की सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे।

इशान अभी आईपीएल पर ही ध्यान दें : बासित

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि विकेकीपर बल्लेबाज इशान किशन को फिलहाल आईपीएल पर ही ध्यान देना चाहिये। बासित के अनुसार अभी इशात को भारतीय टीम में जगह मिलने की उम्मीद नजर नहीं आती है। इशान इस साल शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। टीम इंडिया में वापसी के लिए वह अभी बूची बाबू इंविटेशन टूर्नामेंट खेल रहे हैं। इसमें उन्होंने शतक लगाया है पर जिस प्रकार भारतीय टीम में जगह के लिए मुकाबला है उसको देखने हुए उनकी उम्मीदें कम हैं।

बासित ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी तक इशान की भारतीय टीम में वापसी नहीं हो सकती। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी उनका जगह मिलने की संभावना नजर नहीं आती है। ऐसे में इस बल्लेबाज को आईपीएल पर ही ध्यान देना चाहिये। इशान अभी रणजी ट्रॉफी सीजन में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। इशान ने आखिरी बार 2022 में फर्स्ट क्लास मैच खेला था। वह 2023 में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे। इसी कारण क्रिकेट बोर्ड ने नाराज होकर उन्हें केन्द्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया। साथ ही साफ कर दिया कि टीम में वापसी के लिए उन्हें घरेलू टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स148,निफ्टी 41 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग और उपभोक्ता क्षेत्र की एफएमसीजी कंनपियों के शेयरों में उछाल आया। व्यापक बाजारों में, मिड और स्मॉल-कैप इंडेक्स बढ़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 147.89 अंक करीब 0.18 फीसदी बढ़कर 81,053.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.30 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 24,811.50 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। भारती एयरटेल, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्लयू स्टील, मारुति, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनैंस और एचयूएल के शेयर भी उछले।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 13 शेयर ही गिरावट पर बंद हुए। टाटा मोटर्स, एमएंडएम, एनटीपसीसी, टीसीएस और पावर ग्रिड सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, रिलायंस और एचसीएल टेक के शेयर भी गिरे। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक धारणाओं के कारण घरेलू बाजार में हल्की बढ़त दर्ज की गई। वहीं एशियाई बाजारों में, टोक्यो, सियोल और हांगकांग बढ़त के साथ बंद हुए जबकि शंघाई में गिरावट रही। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार महत्वपूर्ण लाभ के साथ कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजारों में बढ़त रही।

गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 हरे निशान में खुले। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ताजा बैठक की मिनट्स में ब्याज दर में कटौती की संभावना के संकेतों से बाजार में उत्साह देखा गया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 191.35 अंकों की छलांग लगाकर 81,096.65 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 ने 62.25 अंक चढ़कर 24,832.45 का स्तर छू लिया। बाजार में यह तेजी अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से साल के भीतर एक बार ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों के चलते आई है।

पाकिस्तान में स्कूल वैन पर बरसाईं गोलियां, दो बच्चों की मौत, पांच घायल

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बड़ा हमला हुआ है। हमलावरों ने एक स्कूल वैन को अपना निशाना बनाया है। हमलावरों ने स्कूल वैन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटक के ढेरी कोट में एक स्कूल वैन पर हमलावरों ने गोलियां बरसाई जिसमें कम से कम दो बच्चों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। हमले में घायल बच्चों की उम्र पांच से 12 साल है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले में मारे गए बच्चों में एक नौ साल का और एक 10 साल का बच्चा शामिल है।

इस हमले में मारी गई अरवा फातिमा और रमीन शफीक दोनों लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के मद्देनजर पंजाब की सीएम मरियम नवाज ने रावलपिंडी के कमिश्नर से रिपोर्ट मांगी है। सीएम मरियम ने भी हमले में दो बच्चों की मौत पर गहरा दुख जताया है। सीएम मरियम ने संबंधित अधिकारियों को उन बच्चों को बेहतर इलाज मुहैया करने का भी निर्देश दिया, जो इस हमले में घायल हुए हैं।

रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि स्कूल वैन पर हमला ड्राइवर की निजी दुश्मनी का नतीजा था। उन्होंने कहा कि पिछले महीने इसी दुश्मनी के कारण एक वन अधिकारी और उसके दोस्त की हत्या कर दी गई थी। हत्या का बदला लेने के लिए वैन चालक अफ़ज़ाल पर हमला किया गया। हमले में ड्राइवर घायल हो गया, लेकिन बच्चों को भी गोलियां लगी हैं। हमले में ड्राइवर के साथ सीट पर बैठी दो छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर घायल है।

पोलैंड में बोले पीएम मोदी यूक्रेन संकट में पोलैंड ने दिखाई उदारता

वारसॉ (ईएमएस)। पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ साझा प्रेस वार्ता को संबोधित किया। वहीं पोलैंड के पीएम के संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी कहा कि मैं प्रधानमंत्री टस्क के इस सुंदर शहर वारसॉ में उनके शब्दों और गर्मजोशी से भरे स्वागत के लिए उनका बहुत आभारी हूं। भारत-पोलैंड मैत्री को मजबूत करने के लिए आपके अमूल्य प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। मैं आपके योगदान के लिए तहे दिल से आपका धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड टस्क से कहा आप लंबे समय से भारत के अच्छे मित्र रहे हैं। भारत और पोलैंड की मित्रता को मजबूत करने में आपका बहुत बड़ा योगदान है। पीएम ने अपने संबोधन में कहा आज 45 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने पोलैंड का दौरा किया है। मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही मुझे ये सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर मैं पोलैंड की सरकार और यहां के लोगों का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। 2022 में यूक्रेन संकट के दौरान फंसे हुए भारतीय छात्रों को निकालने के लिए आपने जो उदारता दिखाई, उसे हम भारतवासी कभी नहीं भूल सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय है। भारत का ये दृढ़ विश्वास है कि किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। किसी भी संकट में मासूम लोगों की जान की हानि संपूर्ण मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। हम शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। इसके लिए भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर हर संभव सहयोग देने को तैयार है।

हम मना रहे राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा आज का दिन भारत और पोलैंड के संबंधों में विशेष महत्व रखता है। इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। भारत और पोलैंड के संबंध लोकतंत्र और कानून का राज जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। भारत और पोलैंड अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी करीबी तालमेल के साथ आगे बढ़ते रहे हैं। हम दोनों सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में रिफॉर्म वर्तमान समय की मांग है।

आज का दिन दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण वहीं इससे पहले वारसॉ में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने साझा प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा,आज का दिन हमारे दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है कि हम अपने देशों के बीच रणनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री की मेजबानी कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। निस्संदेह यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होते जा रहे हैं। यह पूरे क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

सोना-चांदी के भावों में गिरावट

- सोने का भाव 71,700 रुपए, चांदी 84,800 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा कारोबार में गुरुवार को गिरावट देखने को मिल रही है। चांदी के वायदा भाव भी तेज शुरुआत के बाद नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। गुरुवार को सोने के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में गिरावट देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 160 रुपयेकी गिरावट के साथ 71,670 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 122 रुपयेकी गिरावट के साथ 71,708 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 158 रुपये की तेजी के साथ 85,021रुपये पर खुला। हालांकि इस समय यह 34 रुपये की गिरावट के साथ 84,829रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव सुस्त पड़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,549.89 डॉलर प्रति औंस केभावपरखुला।पिछलाबंद भाव 2,547.50 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 9.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,538.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.62 डॉलर के भावपर खुले,पिछला बंद भाव 29.53 डॉलर था। इस समय यह 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 29.45 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉरपोरेट सेक्टर में घटते जा रहे हैं रोजगार, 4.2 फ़ीसदी की गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के कारपोरेट सेक्टर में रोजगार के अवसर लगातार कम होते चले जा रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2023-24 में रोजगार 4.2 फ़ीसदी घटकर मात्र 1.5 फ़ीसदी पर आ गया है। 2022-23 में रोजगार की दर 5.7 फ़ीसदी थी,जो अब घटकर 1.5 फ़ीसदी रह गई है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। वर्ष 2022-23 में 3.33 लाख लोगों को रोजगार मिला था। पिछले वर्ष में यह संख्या घटकर 90840 रह गई है। रिपोर्ट में 1196 बड़े और मध्यम आकार की कंपनियों के रोजगार डाटा का विश्लेषण करने के बाद यह जानकारी सामने आई है।

भारतीय उद्योग जगत में रोजगार वृद्धि का परिदृश्य बड़ी तेजी के साथ नकारात्मक होता जा रहा है।

यूक्रेन को उल्टा पड़ सकता है रूस पर हमला

2 हफ्ते में 1263 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा, पुतिन घुसपैठ का फायदा उठाने की तैयारी में

कीव(ईएमएस)। यूक्रेन ने रूस के कुस्र्क इलाके में घुसपैठ करके दुनिया को चौंका दिया। यूक्रेन ने दो सप्ताह में रूस के 1263 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया। इसी के साथ यूक्रेन ने दुनिया को बता दिया है कि रूस इस जंग में एकतरफा नहीं जीत सकता है। हालांकि, एक और मोर्चे पर लड़ाई शुरू करने से यूक्रेन की सेना बंट गई है। इससे यूक्रेन की अपनी रक्षा करने की क्षमता पर असर पड़ेगा। जानकारों का कहना है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की यह जीत कम समय के लिए है और हार में बदल सकती है। अभी यूक्रेन का फोकस कुस्र्क पर है, जिससे रूस को दोनेस्त्क के पोक्रोवस्क में आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञ तातियाना स्टैनोवाया कहती हैं कि रूस अपनी दुसरे विश्वयुद्ध की रणनीति अपना रहा है। उसकी यह रणनीति रही है कि वह पहले दुश्मन को अंदर आने देता है और फिर घेरकर हमला करता है। इस वजह से यूक्रेन का कुस्र्क अभियान जेलेंस्की के लिए उल्टा साबित हो सकता है। यूक्रेनी सेना के कमांडर-इन-चीफ ओलेक्सांद्र सिरस्की ने बताया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कुस्र्क इलाके के 1,263 वर्ग किलोमीटर हिस्से पर कब्जा कर लिया है। हमारी सेना कुस्र्क में 28-35 किमी तक अंदर तक पहुंच गई है। रूस विश्लेषक जॉर्ज बैरोस के मुताबिक रूस पूरे 2024 में 1253 वर्ग किमी यूक्रेनी जमीन पर कब्जा कर पाया, वहीं यूक्रेन ने 2 हफ्तों में 1263 वर्ग किलोमीटर रूसी जमीन पर कब्जा कर लिया है। कुस्र्क में युद्ध बढने से यूक्रेन की गति कम हुई है। यूक्रेन ने पहले सप्ताह में 1000 वर्ग किमी पर कब्जा कर लिया था,लेकिन दूसरे सप्ताह में 263 वर्ग किमी पर ही कब्जा कर पाया है।

मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला

यूक्रेन मॉस्को को भी ड्रोन हमलों से निशाना बना रहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा बलों ने मास्को और उसके आसपास के इलाके में 11 ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने कहा कि यह मॉस्को पर ड्रोन से हमला करने का अब तक की सबसे बड़ी कोशिश है। रूस ने मई 2023 में भी 8 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए थे।

यूक्रेन से कोई बातचीत नहीं होगी

रूस की सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि शांति के बारे में मध्यस्थों की बातचीत खत्म हो गई है, जिन्हें किसी ने नियुक्त नहीं किया था। कुस्र्क क्षेत्र में यूक्रेनी घुसपैठ का मतलब है कि जब तक यूक्रेन पूरी तरह से पराजित नहीं हो जाता, तब तक मॉस्को और कीव के बीच कोई बातचीत नहीं होगी।

यूक्रेन ने राजधानी मॉस्कों में जमकर बरसाए गोले-बारूद

मॉस्को (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन जंग में बीते ढाई साल से बैकफुट पर नजर आ रहे वोलोदिमीर जेलेंस्की अब फ्रंट-फुट पर आकर पुतिन एंड कंपनी को करारा जवाब दे रहे हैं। करीब एक सप्ताह पहले रूस में घुसकर हमले करने के बाद अब यूक्रेन ने राजधानी मॉस्को में बमबारी की। व्लादिमीर पुतिन ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यूक्रेन उनके देश में इतना अंदर तक घुसकर ड्रोन अटैक भी कर सकता है। रूसी सेना ने माना कि यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। हालांकि साथ ही यह भी दावा किया गया कि उनके सभी ड्रोन को नष्ट कर दिया गया है। यूक्रेन की कोशिश है कि वो ज्यादा से ज्यादा रूस की जमीन पर अपना कब्जा कर ले, ताकि जब बात आपसी समझौते की हो तो वो रूस द्वारा कब्जाई गई अपनी जमीन को वापस पा सके। ?विशेषज्ञ का कहना है कि इसी कारण अब यूक्रेन अमेरिका सहित तमाम अन्य पश्चिमी देशों की मदद से रूस पर हमलावर हो गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट कर दिए। दावा किया गया कि 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए जबकि 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र, छह बेलगोरोद, तीन कलुगा और दो कुर्स क्षेत्र में नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेइ सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा ?कि ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी। उन्होंने कहा कि राजधानी मॉस्को के आसपास बनाई गयी मजबूत रक्षा प्रणाली के कारण सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए। रूस के कुछ सोशल मीडिया चैनल पर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को नष्ट करते हुए देखा जा सकता है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब रूस पूर्वी यूक्रेन में आगे बढ़ रहा है, जहां उसका लगभग 18 प्रतिशत क्षेत्र पर नियंत्रण है! वह अपने कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के अटैक को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूसी क्षेत्र पर सबसे बड़ा विदेशी हमला है! रूसी मीडिया ने मॉस्को क्षेत्र के आसमान में ड्रोन के चक्कर लगाने और फिर हवाई सुरक्षा द्वारा आग के गोले में मार गिराए जाने का फुटेज शेयर किया। रूसी विमानन नियामक संस्था ने कहा कि मॉस्को के हवाई अड्डों वनुकोवो, डोमोडेडोवो और ज़ुकोवस्की ने चार घंटे के लिए उड़ानों को सीमित कर दिया, लेकिन 0330 जीएमटी से सामान्य परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया था। व्लादिमीर पुतिन ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यूक्रेन उनके देश में इतना अंदर तक घुसकर ड्रोन अटैक भी कर सकता है। रूसी सेना ने माना कि यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया।

चीन की मदद से सस्ते दाम में फैशन प्रोडक्ट्स बेचेंगे अंबानी

-टाटा को टक्कर देने ली चाइनीज कंपनी से मदद

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के जाने-माने उदयोगपति मुकेश अंबानी अब अपने ग्राहकों को सस्ते दाम में फैशन प्रोडक्ट्स बेचने की लड़ाई में हैं। लेकिन इस मुकाबले में मुकेश अंबानी एक बहुत पुराने समूह से मात खा रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि उन्होंने चीन की कंपनी से मदद ली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, टाटा समूह की रिटेल यूनिट ट्रेंट लिमिटेड की वैल्यूएशन 165 अरब डॉलर की है। इसकी बिक्री महामारी से पहले के स्तरों के मुकाबले डॉलर के हिसाब से तीन गुना हो गई है। ट्रेंट का शुद्ध लाभ 12 गुना बढ़ा है। जूडियो कंपनी का इन-हाउस फास्ट-फैशन ब्रांड है जो युवा ग्राहकों के बीच ट्रेंड में चल रहे कपड़े सस्ती कीमतों के साथ बेचने के लिए फेमस हो गया है। चार साल पहले, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में जूडियो के 80 स्टोर थे। पिछले तिमाही में, यह संख्या 164 शहरों में लगभग 560 तक पहुंच गई। उन जगहों पर जहां किराया वाजिब है, तेजी से इन्वेंट्री टर्नओवर देखने को मिला। इसका मतलब है कि कम मार्जिन पर भी ज्यादा मुनाफा देखने को मिला। यह सब अंबानी के लिए एक समस्या बन गई है। पेट्रोकेमिकल्स के बादशाह, टेलीकॉम के दिग्गज और मीडिया के अग्रणी होने के अलावा, 67 वर्षीय अंबानी भारत के सबसे बड़े व्यापारी भी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले वर्ष अपनी रिटेल यूनिट में 2 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

इतना ही नहीं, रिलायंस रिटेल ने महामारी के दौरान मध्य पूर्व और सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड्स से, जनरल अटलांटिक और सिल्वर लेक पार्टनर्स के साथ, 6 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाए। पिछले साल, इसने कतर इंवेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी और केकेआर एंड कंपनी से 100 बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर और भी धन जुटाए। अब अंबानी का पहला काम है इस इकाई को एक धमाकेदार आईपीओ या स्पिनऑफ की ओर ले जाना। इसके लिए उन्हें फास्ट-फैशन का ताज जरूर ही चाहिए। बता दें कि एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी ने इस साल अपने बेटे की शादी के लिए 60 करोड़ डॉलर का भव्य समारोह आयोजित देश-विदेश में खूब सुर्खियां बटोरी थी।

यूरोपियन यूनियन के एक फैसले पर भड़का चीन

- बुरी तरह छटपटा रहे जिनपिंग, दादागिरी करने वाले अब दे रहे हैं नियमों की दुहाई

बीजिंग (ईएमएस)। यूरोपियन यूनियन के एक फैसले से चीन को मिर्ची लग गई है। चीन के अधिकारी और उद्योग जगत के लोग यूरोपियन यूनियन पर भड़क गए। दरअसल ईयू ने एक नया ड्राफ्ट रिलीज किया है जिसमें चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल के खिलाफ जांच करने की बात कही गई है। यह बात चीन को बुरी तरह चुभ गई। चीन ने कहा कि यूरोपीय संघ का यह फैसला चीन और यूरो??पियन यूनियन के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को कमजोर करता है क्योंकि इस फैसले से यूरोपियन यूनियन के बाजार में चीनी की कंपनियों के प्रति विश्वास में कमी आएगी। ?विशेषज्ञ ने कहा कि यूरोपीय यूनियन का यह ऐलान, जिसमें चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल्स निर्माताओं के खिलाफ भारी टैरिफ दरें शामिल हैं, ने विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से दोनों पक्षों के बीच चल रही बातचीत में और भी ज्यादा मुश्किलें पैदा कर दी हैं। इस बीच चीन के वा?णिज्य मंत्रालय ने चीन के घरेलू उद्योग के अनुरोध पर यूरोपीय संघ के कुछ डेयरी उत्पादों की जवाबी जांच शुरू की। चाइनीज ?विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू उद्योग के आवेदन और डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुसार शुरू की गई यह जांच उचित है। हालांकि, यह ईसी की संरक्षणवादी जांच से पूरी तरह अलग है जो डब्ल्यूटीआई नियमों का उल्लंघन करती है। यूरोपियन यूनियन ने चीनी ईवी निर्माताओं के खिलाफ 36.3 प्रतिशत की अधिकतम टैरिफ दर बनाए रखने का फैसला किया, जबकि चीन में टेस्ला द्वारा निर्मित ईवी पर यह दर 9 प्रतिशत है। इस फैसले से नाराज कई चीनी मंत्रालयों और उद्योग समूहों ने इस कदम की निंदा की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने ईसी की जांच को संरक्षणवाद और राजनीति से प्रेरित कार्रवाई कहा ?कि उन्होंने कहा कि ईसी की यह जांच तथ्यों की अनदेखी और डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ है।

आज देश में मनाया जाएगा पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024

नई दिल्ली (ईएमएस)। शुक्रवार को पूरे देश में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 मनाया जाएगा। पिछले साल इसी दिन चंद्रयान-3 मिशन ने चांद की सतह पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग की थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य समारोह का उद्घाटन करेंगी, जो नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगा। इस वर्ष के समारोह का विषय है चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूनाः भारत की अंतरिक्ष गाथा, जो समाज और प्रौद्योगिकी पर अंतरिक्ष अन्वेषण के गहन प्रभाव पर जोर देती है। इस बारे में अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है और यह न केवल उत्सव का दिन है, बल्कि चिंतन, आत्मनिरीक्षण और भविष्य की रूपरेखा तैयार करने का दिन भी है।

इसरो अध्यक्ष डॉ. एस सोमनाथ ने कहा कि कल, 23 अगस्त 2024 को चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की सफलता की याद में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाएगा, ऐसा करने वाला यह पहला देश होगा।

बता दें कि चंद्रयान-3 मिशन को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लांच किया गया। इस मिशन की सफलता का जश्न पूरे देश में मनाया गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक घटना के सम्मान में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस घोषित किया।

मिशन की सफलता ने न केवल अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित किया, बल्कि अंतरिक्ष अन्वेषण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व को भी उजागर किया।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें उच्च-स्तरीय सत्र, इंटरैक्टिव प्रदर्शनियाँ और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएँ शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में मोबाइल प्रदर्शनियाँ शामिल होंगी, जिन्हें स्पेस ऑन व्हील्स के नाम से जाना जाता है, जो विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जाएगी, जिससे छात्रों को इसरो की गतिविधियों और भारत के अंतरिक्ष मिशनों के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।

हरियाणा में सर्वे में भाजपा 44 सीटों के साथ सबसे आगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा के चुनावी सर्वे में विधानसभा चुनाव में पार्टियों के प्रदर्शन का अनुमान लगाया गया। इसमें बीजेपी को 44 सीटों के साथ सबसे आगे बताया गया है। बीजेपी को 46.1ङ वोट मिलने का अनुमान है। कांग्रेस को 42 सीटें और 43.7ङ वोट मिलने की संभावना जताई गई है। अन्य दलों को 4 सीटें मिल सकती हैं।

इजराइली सेना के खुफिया प्रमुख ने दिया इस्तीफा, बोले- 7 अक्टूबर का हमला नहीं रोक पाया

येरूसलम(ईएमएस)। इजराइल और हमास के बीच पिछले दस माह से जंग चल रही है। इसकी शुरुआत तब हुई थी जब 7 अक्टूबर को इजराइल में एक समारोह में दौरान आतंकी हमला किया जिसमें सैकड़ो नागरिकों की मौत हो गई। इसके बदला लेने के लिए इजराइल ने हमास का नामोनिशान मिटाने का संकल्प लिया और हमास पर धावा बोल दिया। अब 10 महिने बाद इजरायली सैन्य खुफिया प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया है। विदाई समारोह में 7 अक्टूबर को देश की सीमा की सुरक्षा ना कर पाने की जिम्मेदारी ली। 38 साल से भी ज्यादा समय तक सेना से जुड़े रहे मेजर जनरल अहरोन हालिवा ने अप्रैल में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। इस दौरान जनरल अहरोन ने माना कि वे इजरायल के इतिहास में सबसे बड़े हमले का पता लगाने और उसे रोकने में असफल रहे। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर बड़ा हमला कर पूरे क्षेत्र में तबाही मचाई थी।

इजरायल के आंकड़ों के मुताबिक इस हमले में लगभग 1,200 इजरायली और विदेशी मारे गए जिनमें से ज्यादातर आम लोग थे। हमास ने लगभग 250 लोगों को गाजा में बंदी भी बना लिया था। माना जाता है कि लगभग 109 बंधक अभी भी गाजा में हैं जिनमें से लगभग एक तिहाई के के बचने की उम्मीद नहीं है। सशस्त्र बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट-जनरल हर्ज़ी हलेवी और घरेलू खुफिया एजेंसी शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार दोनों ने हमले के बाद जिम्मेदारी स्वीकार की लेकिन गाजा में युद्ध जारी रहने के बीच वे पद पर बने हुए हैं। समारोह में हालिवा ने कहा, खुफिया कॉर्प्स की असफलता मेरी गलती थी। हालिवा ने इजरायल और हमास के बीच युद्ध की वजहों का का गहराई से पता लगाने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की जांच बैठने की भी बात की है। 7 अक्टूबर के हमले से इजरायली सेना और खुफिया सेवाओं की प्रतिष्ठा को बेहद नुकसान पहुंचा था। 7 अक्टूबर की सुबह के एक तीव्र रॉकेट हमले के बाद हमास और अन्य समूहों के हजारों लड़ाकों ने गाजा के चारों ओर सुरक्षा घेरों को तोड़ दिया था। इससे इजरायली सेना को संभलने का मौका नहीं मिला। इन समूहों ने दक्षिणी इजरायल में जमकर उत्पात मचाया।

रिलायंस पावर के शेयर में लगातार आया उछाल

374 रुपये है इसका ऑल टाइम हाई, अभी 34 पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले तीन दिनों से रिलायंस पावर के शेयर में लगातार उछाल आया है। मंगलवार को तो शेयर की कीमत 5 प्रतिशत चढ़कर 34.45 रुपये पर पहुंच गई। सिर्फ तीन दिन में शेयर की कीमत में 15.72 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस तेजी के पीछे है गौतम अडानी ग्रुप।

खबर है कि अडानी पावर, अनिल अंबानी की दिवालिया कंपनी रिलायंस पावर से नागपुर का एक थर्मल पावर प्लांट खरीदने की तैयारी में है। इसी खबर ने निवेशकों को उत्साहित कर दिया है।वेल्थमिल्स सिक्योरिटीज में इक्विटी स्ट्रैटेजी निदेशक क्रान्ति बाथिनी ने कहा, ''हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अडानी पावर नागपुर में रिलायंस पावर के 600 मेगावाट थर्मल प्लांट को खरीदने के लिए बातचीत कर रही ष्ठ फिलहाल यह अभी सबसे तेजी से बढ़ रहे शेयरों में से एक है। हाई रिस्क उठाने वाले निवेशक इस शेयर को अपने पास बनाए रख सकते हैं। मौजूदा स्तरों पर नई खरीदारी की सलाह नहीं दी जा रही है।'' पिछले एक महीने में रिलांयस पावर ने 26.92प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जो कि काफी प्रभावशाली है। अगर हम तीन महीनों की बात करें तो यह रिटर्न और बढ़कर 31.63प्रतिशत हो जाता है। पिछले एक साल में इस शेयर ने 109.88प्रतिशत का रिटर्न दिया है और अगर हम तीन साल की अवधि देखों तो यह रिटर्न बढ़कर 224.72प्रतिशत हो गया है। सुजलॉन के आंकड़े भी इसी तरह प्रभावी नजर आते हैं (नीचे दिए गए हैं)।

इस शेयर में रुचि रखने वालों को यह आंकड़ा भी ध्यान में रखना चाहिए कि रिलायंस पावर का ऑल टाइम हाई 499.74 रुपये रहा है, जबकि इसका ऑल टाइम लो 1.00 रुपये है। आज यह शेयर 34.42 पर बंद हुआ है। एक्सपर्ट्स की मानें तो अभी शेयर में और तेजी आ सकती है, लेकिन जोखिम भी कम नहीं है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि शेयर 42 से 45 रुपये तक जा सकता है, वहीं कुछ का मानना है कि ये 30-32 रुपये तक भी गिर सकता है। सभी विशेषज्ञों को एक नजर देखें तो निवेशकों को जरा सावधान रहने की जरूरत होगी। मालूम हो कि रिलायंस पावर के शेयर एक समय 374 रुपये तक पहुंच गए थे और अब 34 रुपये के आसपास टंगा हुआ है। अब अचानक से इस शेयर में जान आ गई है।

यूक्रेनी सेना की घुसपैठ की कोशिश को रुसी सेना ने किया नाकाम

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ब्रांस्क में यूक्रेनी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की, जिसे रूसी सेना ने नाकाम कर दिया। रुस के क्षेत्रीय गवर्नर ने इसकी जानकारी दी है। गवर्नर अलेक्जेंडर ने कहा कि रूस ने ब्रांस्क क्षेत्र के क्लिमोव्स्की में यूक्रेनी सेना की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट में गवर्नर के हवाले से बताया कि घुसपैठ के दौरान यूक्रेन को नुकसान पहुंचा है। वहां अब स्थिति स्थिर है और क्षेत्र पर रुस का नियंत्रण है। इस बीच रूस ने यूक्रेनी सेना के हमलों के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य समूह बनाए हैं। इससे पहले, यूक्रेन ने छह अगस्त को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में एक सैन्य अभियान शुरू किया था। उन्होंने दावा किया था कि उसने 1250 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है।

वहीं, यूक्रेन के दावे पर रूस के एक अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन के सैनिक, रूस के कुर्स्क क्षेत्र में अपनी स्थिति को बदल रहे हैं, ताकि एक नए हमले को अंजाम दे सके। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुख्य सैन्य-राजनीतिक निदेशालय के उप प्रमुख अप्टी अलाउदिनोव ने कहा कि रूसी सेना स्थिति पर अपनी पकड़ बनाए हुए है।

ओमान में भारतीयों को देना पड़ेगा इनकम टैक्स

दुबई (ईएमएस)। खाड़ी के देशों में अब इनकम टैक्स प्रवासियों से अगले साल से लिया जाएगा। बड़ी संख्या में ओमान में भारतीय कामगार और पेशेवर, मजदूरी और कारोबार के काम में लगे हुए हैं। ओमान सरकार अगले साल से इनकम टैक्स लागू करने जा रही है। ओमान खाड़ी का पहला देश बन गया है। जो भारतीयों से इनकम टैक्स वसूल करेगा। ओमान की सरकार ने जो प्रस्ताव किया है। उसके अनुसार 84 लाख रुपए वार्षिक कमाने वालों को 5 से 9 फ़ीसदी तक इनकम टैक्स देना होगा। इस टैक्स में हर साल वृद्धि भी प्रस्तावित की गई है। माना जा रहा है, ओमान में रहने वाले 6 लाख भारतीय इनकम टैक्स से प्रभावित होंगे।

जेनिफर लोपेज, बेन एफ्लेक को देंगी तलाक, कोर्ट में लगाई याचिका

लॉस एंजिलिस,(ईएमएस)। दो दशक सात में रहने और सुर्खियां बटोरने के बाद मशहूर अमेरिकी एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज ने फिल्म निर्माता बेन एफ्लेक से तलाक लेने का फैसला लिया है। हॉलीवुड के 'पावर कपल' कहे जाने वाले इस जोड़े को उनके फैंस प्यार से 'बेनिफर' कहते थे। लोपेज ने लॉस एंजिलिस में तलाक लेने के लिए आवेदन दिया। कोर्ट के रिकॉर्ड से पता चलता है कि लोपेज ने लॉस एंजिलिस सुपीरियर कोर्ट में एक याचिका दायर की।

लोपेज ने याचिका में बेन से अलग होने की तारीख 26 अप्रैल 2024 दर्ज कराई है। उन्होंने विवाह से पहले किसी समझौते का उल्लेख नहीं किया है। 2000 की शुरुआत में मुलाकात होने, एक-दूसरे से प्यार करने और सगाई के बाद यह दंपति अलग हो गया था लेकिन लोगों को हैरत में डालते हुए वे दो दशक बाद फिर से एक हुए और 2022 में शादी की। उन्होंने 2003 में ''गिगली'' 2004 में ''जर्सी गर्ल'' फिल्म में एक साथ काम किया था।

दोनों के इससे पहले वैवाहिक संबंध थे। बेन एफ्लेक (52) ने जेनिफर गार्नर से 2005 में शादी की थी और दोनों के तीन बच्चे हैं। उन्होंने 2018 में तलाक ले लिया था। लोपेज (55) पहले ही तीन बार शादी कर चुकी हैं। उन्होंने पहले ओजानी नोआ (1997-1998) से और क्रिस जुड (2001-2003) से शादी की थी। उन्होंने और गायक मार्क एंथनी ने 2004 में शादी की थी और दोनों के 14 साल के जुड़वां बच्चे हैं।

पाकिस्तान में बवालः हजारों इमरान समर्थक इस्लामाबाद के लिए रवाना

इस्लामाबाद(ईएमएस)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के हजारों समर्थक आज फिर से सड़कों पर उतर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा, सिंध और पंजाब जैसे प्रांतों से हजारों की संख्या में उनके समर्थक इस्लामाबाद पहुंच रहे हैं। इन समर्थकों ने एक जलसे का फैसला किया है। इस जलसे यानी रैली का नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंदापुर करेंगे। वहीं इस्लामाबाद प्रशासन ने इस रैली के लिए जारी एनओसी को रद्द कर दिया है, जिससे तनाव बढ़ गया है। इमरान समर्थक रोक लगने के बाद भी इस्लामाबाद की ओर बढ़ने पर आमादा हैं।

यदि इन लोगों पर कोई लाठीचार्ज या बल प्रयोग हुआ तो फिर हालात बिगड़ भी सकते हैं। इससे पहले बीते साल 9 मई को जब इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था तो पूरे पाकिस्तान में ही हिंसा भड़क गई थी। यहां तक कि सेना के प्रतिष्ठानों पर भी हमले हुए थे। उस मामले में कई पीटीआई नेता अब भी जेलों में बंद हैं। खुद इमरान खान जेल में ही हैं। इससे पहले रमजान के दौरान इस्लामाबाद प्रशासन ने पीटीआई को अनुमति दी थी कि वह रैली कर सकती है। तब पीटीआई का कहना था कि हमारे कार्यकर्ता मस्जिदों में व्यस्त हैंइमरान खान समर्थकों ने इस्लामाबाद के तारनोल में जुटने का फैसला लिया है। बता दें कि पहले प्रशासन ने 31 जुलाई को रैली के लिए एनओसी जारी कर दी थी, लेकिन अब उसे वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अब भी इमरान खान की पार्टी की ही सरकार है। वहां उसका अच्छा प्रभाव भी है और खुद इमरान खान पठान हैं और मूल रूप से खैबर के ही हैं। ऐसे में वहां से हजारों की संख्या में लोग इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे हैं। पाक सरकार को आशंका है कि आज कोई बड़ा बवाल भी हो सकता है। गौरतलब है कि इमरान खान की सरकार जाते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर पीएम के तौर पर मिले उपहारों को गबन करने समेत कई मामले चल रहे हैं। पाकिस्तान पंजाब सरकार ने इस्लामाबाद में धारा 144 लगा दी है ताकि इन लोगों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। पंजाब में किसी भी तरह के राजनीतिक जुटान पर भी रोक लगी है। बीते कई महीनों से इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थक इस्लामाबाद में रैली की परमिशन मांग रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंत में 22 अगस्त को जुटने का फैसला लिया गया। इस रैली के लिए खैबर पख्तूनख्वा से हजारों लोग आगे बढ़ रहे हैं। वहीं उन्हें रोकने के लिए प्रशासन ने इस्लामाबाद के एंट्री पॉइंट्स पर बड़े-बड़े कंटेनर रखवा दिए हैं।

लंबे अंतराल के बाद अहमदाबाद में भारी बारिश,2अंडरपास बंद, हर जगह ट्रैफिक जाम

अहमदाबाद ,22 अगस्त (प्रतिनिधि द्वारा)

पिछले कुछ दिनों से बारिश रुकने के बाद भारी बारिश और तेज़ हवाएँ चल रही थीं। जिससे लोग त्राहिमाम चिल्ला उठे. आज एक लंबे ब्रेक के बाद मेघराजा ने भाषण दिया है. अहमदाबाद के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में भारी बारिश हो रही है. अहमदाबाद के सरखेज, प्रह्लादनगर, इस्कॉन, भोपाल, गोटा, एस. जी हाईवे समेत कई इलाकों में भारी बारिश से ठंड फैल गई. बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया है. बारिश के कारण एसजी हाईवे समेत शहर की कई सड़कों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई.

शहर के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश के कारण निचले इलाकों और सड़कों पर भी पानी भर गया. जिससे स्कूली बच्चों को परेशानी हुई। शहर के कई क्षेत्रों में नगर पालिकाएँ। कर्मचारी नालों के ढक्कन खोलकर पानी निकालने की कोशिश कर रहे हैं. उधर, भारी बारिश के कारण अखबार नगर अंडरपास और मीठाखाली अंडरपास बंद कर दिए गए हैं। गुजरात में अगस्त के पहले सप्ताह से हल्की से मध्यम बारिश हुई है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण अधिकांश जिलों में भारी बारिश होगी. मछुआरों को भी समुद्र में न जाने के लिए सतर्क किया गया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में तटीय इलाकों में हवा की गति 40 किमी प्रति घंटे तक होगी. आज (22 अगस्त) दाहोद, छोटा उदेपुर, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड जिलों में भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा राज्य के अधिकांश जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है.

23 अगस्त को भारी बारिश के कारण दक्षिण गुजरात के भरूच, नर्मदा, वलसाड जिलों के छिटपुट स्थानों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा 30 जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है. 24 अगस्त को नवसारी, डांग और वलसाड जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के बाद ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है और दाहोद, छोटा उदेपुर, नर्मदा, भरूच, सूरत और तापी जिलों में पीला अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 25 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश के कारण महिसागर और दाहोद जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है. इसके अलावा अरावली, पंचमहल, वडोदरा, छोटा उदेपुर, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, नवसारी, डांग और वलसाड जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के लिए मौसम विभाग द्वारा येलो अलर्ट जारी किया गया है।

जहां 26 अगस्त को सौराष्ट्र के कुछ जिलों में भारी बारिश की भी भविष्यवाणी की गई है, वहीं भरूच और वडोदरा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वलसाड, नवसारी, डांग, सूरत, तापी, नर्मदा, छोटा उदेपुर, पंचमहल, दाहोद, महिसागर, अरावली, खेड़ा, आनंद समेत सौराष्ट्र के सुरेंद्रनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, गिर सोमथ जिलों में भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है। , गांधीनगर, अहमदाबाद आ गये हैं जबकि कच्छ, मोरबी, जामनगर, राजकोट, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, पाटन, बनासकांठा, साबरकांठा और मेहसाणा जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है।

27 अगस्त को दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड जिलों के साथ-साथ सौराष्ट्र के तटीय कच्छ, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़ और गिर सोमनाथ जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के बाद येलो अलर्ट जारी किया गया है।

गुजरात कांग्रेस की न्याय यात्रा का आज अहमदाबाद के चांदखेडा में होगा समापन

अहमदाबाद (ईएमएस) वडोदरा हरणी नाव कांड, मोरबी ब्रिज कांड, कांकरिया सवारी कांड, तक्षशिला अग्नि कांड, बुलडोजर कांड, लट्ठा, पेपर लीक कांड समेत कई मामलों के पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से गुजरात कांग्रेस द्वारा शुरू की गई न्याय यात्रा आज अहमदाबाद पहुंच गई शुक्रवार को अहमदाबाद के चांदखेड़ा में कांग्रेस की न्याय यात्रा खत्म होगी कांग्रेस की याया यात्रा 9 अगस्त को मोरबी से शुरू हुई थी गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में, कांग्रेस पार्टी की गुजरात न्याय पदयात्रा मोरबी, टंकारा, राजकोट, चोटिला, सुरेंद्रनगर, वीरमगाम, साणंद से आज सुबह 9-30 बजे अहमदाबाद सरखेज के साबर चौक में स्वागत किया गया जहां से गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन पहुंची न्याय यात्रा और वहां से गांधी आश्रम को रवाना हो गई प्रदेश मुख्यालय से गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल समेत पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए कांग्रेस के ये सभी नेता शाम 5 से 30 बजे तक साबरमती आश्रम में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए कांग्रेस की न्याय यात्रा में संख्या में कार्यकर्ता प्ले-कार्ड के साथ पदयात्रा में शामिल हुए 23 अगस्त को सुबह 9-00 बजे साबरमती आश्रम से सुभाष ब्रिज तक गुजरात न्याय पदयात्रा शाम 5-30 बजे चांदखेड़ा में एक सार्वजनिक सभा के रूप में समाप्त होगी यात्रा के समापन के अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं प्रवक्ता पवन खेड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। गुजरात न्याय पदयात्रा के दौरान विभिन्न मीडिया से बात करते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि राज्य में विभिन्न दुर्घटनाओं समेत अनेक घोटालों का शिकार गुजरात के निर्दोष नागरिक हो रहे हैं। इसके अलावा, राज्य में फर्जी अधिकारी और फर्जी सरकारी कार्यालय बड़े पैमाने पर हैं। गांधी के गुजरात में शराबबंदी के बावजूद पुलिस स्टेशनों, सरकारी दफ्तरों, सरकारी अस्पतालों, सरकारी गाड़ियों में खुलेआम शराब पार्टियों का आनंद लिया जाता है और करोड़ों लीटर शराब बेरोकटोक उड़ाई जाती है। गुजरात के युवाओं को रोजगार मुहैया कराने में विफल रही भाजपा के नये शासन में नशीली दवाओं की खुली बिक्री के कारण बड़े पैमाने पर युवा नशे की ओर रुख कर रहे हैं जिससे की युवा संपदा नष्ट हो रही है। कानून व्यवस्था सहित सभी मोर्चों पर विफल भाजपा सरकार धृतराष्ट्र बन गयी है और सिर्फ तमाशा देख रही है। भाजपा की भ्रष्ट नीतियों के कारण विभिन्न घोटालों से पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में 9 अगस्त मोरबी से शुरू हुई गुजरात न्याय पदयात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। जिसमें पीड़ितों के परिवार, कांग्रेस के सिपाही, न्यायाधीश और गुजरात के नागरिक शामिल हुए, सभी बधाई के पात्र हैं, कांग्रेस पार्टी गुजरात के नागरिकों के अधिकारों और न्याय के लिए लड़ती रहेगी।

गुजरात में पानी से ज्यादा शराब मिल रही है... विधानसभा से कांग्रेस विधायकों के निलंबन पर अमित चावड़ा का बड़ा आरोप

अहमदाबाद, (प्रतिनिधि द्वारा)

गुजरात में विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन कांग्रेस विधायकों पर स्पीकर ने निलंबन की कार्रवाई की। स्पीकर शंकर चौधरी ने यह कार्रवाई कांग्रेस विधायकों के वॉकआउट करने के बाद की। इसके बाद कांग्रेस विधायक दल के नेता ने आरोप लगाया कि सरकार नहीं चाहती थी कि सदन में गुजरात शराबबंदी कानून पर चर्चा हो, ऐसे में उन्होंने कांग्रेस विधायकों को बोलने का मौका नहीं दिया। चावड़ा ने कहा कि गुजरात में आज पानी से ज्यादा शराब मिल रही है। गुजरात में ड्रग्स की बिक्री का मुद्दा उठाया। चावड़ा ने आरोप लगाया क्योंकि इसमें बीजेपी के लोग शामिल हैं। ऐसे में सरकार ने विधानसभा में चर्चा नहीं होने दी, क्योंकि उनकी पोल खुल जाती। विपक्ष के आरोपों को सरकार के प्रवक्ता और स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने गलत बताया है।

गुजरात विधानसभा स्पीकर ने गुरुवार को विपक्षी पार्टी कांग्रेस के 11 विधायकों को वॉकआउट करने पर एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। तीन दिन के मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्षी पार्टी के विधायकों ने कुछ प्रश्न पूछना चाहते थे, लेकिन स्पीकर शंकर चौधरी ने उनकी मांग खारिज कर दी। इसके बाद कांग्रेस विधायक सदन से वॉकआउट करने लगे। विधायकों के वॉकआउट करने के बाद स्पीकर ने उन सभी को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया।

उन्होंने कहा कि दाहोद की घटना को कांग्रेस ने गृह में नियम विरुद्ध आचरण किया और प्लेकार्ड पहुंचे। इसलिए उन पर कार्रवाई की गई। गुजरात विधानसभा मानसून सत्र के दूसरे दिन सदन में कांग्रेस विधायकों ने सवाल पूछने की अनुमति नहीं मिलने वॉकआउट किया। सदन में तख्तियां लहराने पर बीजेपी ने इसकी शिकायत विधानसभा अध्यक्ष से की। इसके बाद 11 कांग्रेस विधायकों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया।

गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष ने गुरुवार को सदन से बहिर्गमन करने के बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के 11 विधायकों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। तीन दिवसीय मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्षी दल के ये विधायक संक्षिप्त नोटिस पर कुछ प्रश्न पूछना चाहते थे लेकिन अध्यक्ष शंकर चौधरी ने उनकी मांग नामंजूर कर दी। तब इन कांग्रेस विधायकों ने विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन किया। उसके शीघ्र बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में नारेबाजी करने और तख्तियां लहराने को लेकर इन विधायकों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। विधानसभा में फिलहाल कांग्रेस के 12 विधायक हैं लेकिन पार्टी विधायक जिग्नेश मेवानी बृहस्पतिवार को अनुपस्थित थे।

वरिष्ठ कांग्रेस विधायक शेलेष परमार ने दावा किया कि दाहोद में कृषि भूमि की विवादस्पद बिक्री के बारे में पार्टी विधायक गुलाबसिंह चौहान द्वारा पूछे गए सवाल को अंतिम क्षण में खारिज कर दिया गया। स्पीकर ने बताया कि अल्पसंख्यक प्रश्नों को संबंधित मंत्री की सहमति का बाद ही चर्चा के लिए चुना जाएगा। मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने स्पष्ट किया कि चौहान द्वारा उठाया गया मुद्दा विचाराधीन था और इसे कोर्ट के समक्ष इस पर चर्चा करना सही नहीं है। स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं होने पर चावड़ा और अन्य नेताओं ने तख्तियां दिखाना शुरू किया और सदन से वॉकआउट कर गए। कांग्रेस विधायकों के वॉकआउट करने के बाद संसदीय कार्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने स्पीकर ने सभी 11 विधायकों को निलंबित करने की अपील की। कांग्रेस विधायक को शेष दिन के लिए निलंबित करने के प्रस्ताव को बहुत ने मंजूरी दे दी। आम आदमी पार्टी के चार विधायकों ने अपनी सहमति नहीं दी। बता दें कि गुजरात विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार को समाप्त होने वाला है।

पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से की शिष्टाचार भेंट

गांधीनगर (ईएमएस) पुडुचेरी के उपराज्यपाल (एलजी) के. कैलाशनाथन ने गुरुवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पुडुचेरी के उपराज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालने पर कैलाशनाथन को शुभकामनाएं दीं। कैलाशनाथन पुडुचेरी के उपराज्यपाल का पदभार संभालने के बाद पहली बार गुजरात के दौरे पर आए हैं। बता दें कि 1979 बैच के आईएएस अधिकारी रहे के कैलाशनाथन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भरोसेमंद अधिकारियों में से एक थे गुजरात सरकार द्वारा उन्हें 11 बार एक्सटेंशन मिला और रिटायरमेंट के बाद भी 11 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय में चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी के रूप में काम किया था 30 जून को रिटायर होने के बाद एक महीने बाद के कैलाशनाथन को पुडुचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया था आज पुडुचेरी के उपराज्यपाल के रूप में के कैलाशनाथन की गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ पहली शिष्टाचार भेंट थी

3 दफा बगैर हेल्मेट पकड़े गए तो लाइसंस होगा रद्द

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य में बढ़ती ट्रैफिक समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए ट्रैफिक नियमों का सख्त से पालन कराने का आदेश दिया हैं हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि टू व्हीलर चालक अगर तीन दफा बगैर हेल्मेट के पकड़ा जाता है तो उसका ड्राइविंग लाइसंस रद्द किया जा सकता हैं दरअसल ट्रैफिक समेत कई मुद्दों पर आज गुजरात हाई कोर्ट में सुनवाई हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कुछ ब्यौरा भी पेश किया सरकार ने कोर्ट को बताया कि राज्य में ट्रैफिक समस्या को लेकर मुख्य सचिव को सभी विभागों के साथ समन्वय बनाने को कहा गया हैं रोंग साइड ड्राइविंग, अवैध पार्किंग, हेलमेट आदि मुद्दों पर कार्रवाई की जा रही हैं निर्धारित प्वाइंटों पर ट्रैफिक गार्ड रखने का भी निर्देश दिया गया हैं सरकार ने कोर्ट को बताया कि 9 अगस्त को मुख्य सचिव की अहमदाबाद पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त के साथ बैठक हुई थी जबकि 21 अगस्त को मुख्य सचिव ने गृह सचिव अहमदाबाद पुलिस आयुक्त समेत अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में जानकारी देते हुए बताया कि 1 से 19 अगस्त तक ट्रैफिक पुलिस अहमदाबाद ने 41,401 मामले दर्ज किए हैं अवैध पार्किंग के 2100 मामले सामने आए हैं यातायात विभाग के फिल्ड के अधिकारी हेलमेट न पहनने वाले वाहन चालकों को जागरूक भी कर रहे हैं। रोंग साइड ड्राइविंग के लिए ट्रैफिक पुलिस कर्मी भी विशिष्ट स्थानों पर तैनात किए गए हैं।

सरकार ने कहा कि अहमदाबाद जैसे महानगर में यातायात प्रबंधन के लिए लोगों का सहयोग भी जरूरी हैं राज्य सरकार की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति 3 बार बिना हेलमेट के पकड़ा जाता है तो नियमानुसार लाइसेंस निलंबित किया जा सकता हैं हाईकोर्ट ने सरकार को तीन बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर ड्राइवर का लाइसेंस निश्चित समय के लिए सस्पेंड करने का सुझाव दिया हैं साथ ही हाईकोर्ट ने कहा कि फिजिकल की जगह ई-चालान दिया जाए ट्रैफिक पुलिस में रिक्तियां होने पर आपको टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना चाहिए। हेलमेट को लेकर अभी भी जागरूकता देखने को नहीं मिल रही हैं हाईकोर्ट ने कहा कि दिल्ली और देहरादून में कोई भी व्यक्ति बिना हेलमेट के नहीं दिखता गुजरात हाईकोर्ट में इस मामले पर अगली सुनवाई 6 सितंबर को होगी

पीएम किसान सम्मान निधि योजना तहत गुजरात के 4.47 लाख किसान वंचित

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसान परिवारों को सालाना 6,000 रुपये का लाभ मिलता है, जिसका भुगतान 2,000 रुपये की तीन किस्तों में किया जाता है। केंद्र सरकार की इस योजना का उद्देश्य देशभर के किसान परिवारों को सहायता प्रदान करना और उन्हें विभिन्न कृषि खर्चों को पूरा करने में मदद करना है। जिन किसान परिवारों के नाम पर खेती योग्य भूमि है, वे इस योजना से लाभ पाने के पात्र हैं। गुजरात में 4.47 लाख से किसान पीएम किसान सम्मान निधि योजना से वंचित हैं इस योजना के अंतर्गत फिलहाल गुजरात के 48,74,444 किसान लाभान्वित हो रहे हैं उनके खाते में हर साल 6000 रुपये जमा होते हैं भारत सरकार द्वारा इस योजना में अब तक कुल 17 किस्तों का भुगतान किया जा चुका है। आखिरी यानी 17वीं किस्त का भुगतान हाल ही में किया गया। सरकार की ओर से पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक 48.74 लाख किसानों के खातों में 17,696 करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं इस योजना का उद्देश्य किसानों को सीधे वित्तीय सहायता प्रदान करके कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना है। हालाँकि, अब तक गुजरात के 4,47,050 किसानों ने पीएम किसान योजना में पंजीकरण नहीं कराया है, वे प्रति वर्ष 6000 रुपये के लाभ से वंचित हैं। इस योजना से वंचित गुजरात के किसानों को पंजीकरण करवा लेना चाहिए ताकि उन्हें सालाना 6000 रुपए की सहायता प्राप्त हो सके इसके लिए पीएम किसान की आधिकारिक वेबसाइट ्रूजे:// जर्स्र्हिु.दन्.गह/ पर जाएं। नया किसान पंजीकरण; आवश्यक विवरण के साथ फॉर्म पर क्लिक करें और भरें। अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी दर्ज करें और सत्यापित करें। व्यक्तिगत और भूमि संबंधी जानकारी दर्ज करें और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें। आवेदन जमा करें और भविष्य के संदर्भ के लिए उसकी प्रति डाउनलोड करें। इस योजना के तहत किसानों को साल में 2,000 रुपये की तीन किस्तें यानी कुल 6,000 रुपये दिए जाते हैं योजना के तहत पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर के बीच और तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच दी जाती है. किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए यह योजना 2019 में शुरू की गई थी। योजना के पात्र लाभार्थी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से भी अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इसके अलावा राजस्व अधिकारी और इस योजना के लिए राज्य सरकार द्वारा नामित नोडल अधिकारी किसानों का पंजीकरण कर रहे हैं. पीएम किसान योजना से छोटे और सीमांत किसान परिवारों को लाभ मिलता है जिनके पास 2 हेक्टेयर या उससे कम जमीन है।

पश्चिम रेलवे ने दो जोड़ी त्यौहार विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए

अहमदाबाद (ईएमएस) यात्रियों की सुविधा के लिए और यात्रा की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे ने विशेष किराये पर दो जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों की यात्राएं बढ़ा दी हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन नं. 05054/05053 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (साप्ताहिक) (अनारक्षित) ड26 फेरे.

ट्रेन नं. 05054 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल को 7 सितंबर से 30 नवंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन नं. 05053 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 6 सितंबर से 29 नवंबर, 2024 तक बढ़ाया गया है.

2. ट्रेन नं. 05046/05045 राजकोट-लालकुआं फेस्टिवल स्पेशल (साप्ताहिक) ड18 फेरे.

ट्रेन नं. 05046 राजकोट-लालकुआं स्पेशल को 7 अक्टूबर से 2 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन नं. 05045 लालकुआं-राजकोट स्पेशल को 6 अक्टूबर से 1 दिसंबर, 2024 तक बढ़ाया गया है.

ट्रेन संख्या की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग 05046 23 अगस्त, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुलेगा। ठहराव के समय और संयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry. Indian rail.gov.in** पर जा सकते हैं।

गुजरात विधानसभा में नशाबंदी संशोधन विधेयक पारित, जब्त वाहनों की नीलामी की जा सकेगी

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के 3 दिवसीय मानसून सत्रकेदूसरेदिनआज 'गुजरात नशाबंदी संशोधनविधेयक' बहुमत के साथ पारितकर दिया गया गृहराज्यमंत्री हर्ष संघवी ने विधेयकपेश करते हुए बताया कि पिछले2वर्षों में राज्य में शराब तस्करी केआरोप में 22 हजार 442 वाहनजब्त किये गये हैं 7213 जब्त वाहनों पुलिस स्टेशनों में ढेर लगेहैं 300लक्जरीकारेंपुलिस स्टेशनों में कबाड़ में तब्दील हो रही हैं उन्होंने आगे कहा कि गाड़ियां थाने में रहकर जगह घेरलेती हैं हर्ष संघवी ने बताया किनशाबंदी संशोधन विधायक प्रावधानकियागयाहैं जिसके मुताबिक1 वाहन पकड़ा जाता है तो डीवाईएसपी उसे नीलाम कर सकेगा। वाहनों की बिक्री के बाद मिलने वाली आय का उपयोग सरकारी योजना में किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह हाईकोर्ट या सुप्रीम में निर्दोष साबित होते हैं,

ट्रिबेका डेवलपर्स प्रोजेक्ट बिक गयाः "o Spe" दक्षिण मुंबई का नंबर एक तेजी से बिकने वाला प्रोजेक्ट बन गया

मुंबई, 21 अगस्तः ट्रिबेका डेवलपर्स, ट्रम्प ब्रांड प्रोजेक्ट विकसित करने वाला सबसे बड़ा वैश्विक डेवलपर, जो भारत में लक्जरी आवासीय परियोजनाओं को विकसित करने में प्रमुख स्थान रखता है, 'द एज' नामक एक नई लक्जरी आवासीय परियोजना लॉन्च करके नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। ट्रिबेका डेवलपर्स ने तेजुकाया के साथ मिलकर केवल 30 दिनों में इस हाई-एंड प्रोजेक्ट की 1000 करोड़ से अधिक यूनिट्स बेचकर न केवल दक्षिण मुंबई बल्कि पूरे मुंबई में एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

परेल में 2.5 एकड़ में फैले इस प्रमुख प्रोजेक्ट के टावर-1 में 228 शानदार डिजाइन वाले आवास हैं, जिनमें 2, 3, 4 और 5 बिस्तरों वाले घर शामिल हैं। इन इकाइयों की कीमत 4 करोड़ से 12 करोड़ रुपये तक है। यह परियोजना दक्षिण मुंबई की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है और इसे महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी क्लस्टर पुनर्विकास नीति के तहत विकसित किया जा रहा है।

जनवरी 2024 में, ट्रिबेका डेवलपर्स ने परियोजना के लिए 135 साल पुराने तेजुकाया समूह के साथ साझेदारी की, जिसमें एचडीएफसी कैपिटल ने 200 करोड़ रुपये का वित्तपोषण किया, इसके बाद पीरामल कैपिटल ने अतिरिक्त 120 करोड़ रुपये प्रदान किए। आज तक इस वित्त का केवल पचास प्रतिशत ही उपयोग किया गया है और ट्रिबेका डेवलपर्स को भरोसा है कि उन्हें बाकी की आवश्यकता नहीं होगी।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद एवं वडोदरा क्षेत्राधिकार के सांसदों के साथ बैठक का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सांसदों के साथ महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे अशोक कुमार मिश्र के साथ आज बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों का महाप्रबंधक मिश्र ने स्वागत किया तथा अमूल्य निर्देश एवं सुझाव आमंत्रित किये। इस बैठक में पिछले एक वर्ष के दौरान अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों की प्रमुख गतिविधियों और उल्लेखनीय उपलब्धियों की जानकारी तथा अहमदाबाद, भुज व साबरमती स्टेशनों पुनर्विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई है। महाप्रबंधक श्री मिश्र ने बताया की यात्रियों के हित में सुविधाएँ एवं सेवाएँ बढ़ाने की योजनाएँ तैयार करने में सभी माननीय जन प्रतिनिधियों के महत्त्वपूर्ण फीडबैक का प्रमुख योगदान रहता है। माननीय प्रतिनिधिगणों की सलाह एवं परामर्श के आधार पर ही रेल प्रशासन यात्री-हितकारी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर पाता है। पश्चिम रेलवे अपने सम्माननीय यात्रियों को हरसंभव बेहतर सेवाएँ और सुविधाएँ सुलभ कराने की दिशा में हमेशा अग्रणी रही है और हम संरक्षा, सेवा और गति के ध्येय मंत्र पर अमल करते हुए अपने रेल तंत्र को और भी सुदृढ़ बनाने के लिए हमेशा प्रयासरत हैं। पश्चिम रेलवे अपने आधारभूत ढाँचे के अपग्रेडेशन और विस्तार के द्वारा भविष्य में उत्तम सेवाओं के लिए मजबूत नींव रखना हमारा प्रमुख ध्येय है। महाप्रबंधक मिश्र ने सांसदों से उनके अमूल्य निर्देश एवं सुझाव आमंत्रित कर उन पर अति शीघ्र कार्यवाही करने का विश्वास दिलाया।

बनासकांठा जिले में 32 करोड़ के खर्च से इन दो सड़कों का विस्तारीकरण किया जाएगा

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बनासकाँठा जिले में राह-चांगडा-लुवाणा-मोरथल तथा लुवाणा-बवेराकीकुल20.10 किलो मीटरकी दो सड़कों को टू-लेन बनाने के लिए 32 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इन दोनों सड़कों की वर्तमान 3.75 मीटरचौड़ाईको 7 मीटर करके उन्हें टू-लेन बनाने की आवश्यकता को ध्यान में लेकर मुख्यमंत्री ने यह राशिआवंटित की है। बनासकाँठा के ये मार्ग थराद व धानेरा तथा राधनपुर, थराद,साँचौर व राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़नेवाले अति महत्वपूर्ण मार्ग हैं। विधानसभा अध्यक्ष सहित बनासकाँठा केजनप्रतिनिधियोंएवं ग्रामीण नागरिकों ने मुख्यमंत्रीभूपेंद्रपटेल के समक्ष इन सड़कों के विस्तारीकरणकी मांग की थी।

Lexlegis.ai ने टैक्स और कानून के पेशे से जुड़े लोगों को सक्षम बनाने के लिए लीगल AI प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया

अहमदाबादः **Lexlegis.ai** देश में लीगल-टेक सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने के मामले में सबसे आगे है, जिसने आज भारत के पहले लार्ज लैंग्वेज मॉडल **(LLM)** के लॉन्च की घोषणा की, जिसे विशेष रूप से लीगल-टेक क्षेत्र के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह **AI** टूल अपने आप में बेमिसाल है, जो अव्वल दर्जे की सटीकता और विश्वसनीयता के साथ कानूनी मामलों पर रिसर्च में जबरदस्त बदलावलानेके लिए तैयार है। यह प्लेटफ़ॉर्म हर प्रकार के मुद्दे से संबंधित विशिष्ट निर्णय और सटीक संदर्भ प्रदान करके कानूनी पेशे से जुड़े लोगों की मदद करता है, जिससे बड़े पैमाने पर मौजूद केस दस्तावेज़ों को मैन्युअल तरीके से एक जगह इकट्ठा करने में भारतीय अदालतों को लगने वाले समय में काफी कमी आएगी।

फिलहाल भारत की न्यायिक व्यवस्था में 44.9 मिलियन से अधिक मामले लंबित हैं, और **Lexlegis.ai** इसी समस्या के समाधान की पेशकश करता है जो बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाला है। यह प्लेटफ़ॉर्म एडवांस्ड एल्गोरिदम

की मदद से कानूनी मामलों पर रिसर्च की प्रक्रिया को गति देता है, जिससे हफ़्तों के काम को कुछ ही सेकंड में पूरा किया जा सकता है।

लॉन्च के मौके पर **Lexlegis.ai** के संस्थापक एवं सीईओ, श्री साकार एस. यादव ने कहा, ठभारत में लंबित कानूनी मामलों की संख्या 44.9 मिलियन से अधिक है, जो इनोवेटिव सॉल्यूशंस की मदद से इस संकट से निपटने की तात्कालिक जरूरत को उजागर करता है। **Lexlegis.ai** को न्यायपालिका और कानूनी पेशे से जुड़े लोगों को **AI**-संचालित टूल्स की मदद से सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो रिसर्च को सरल और बेहतर बनाते हैं।

सीईटी क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स दुनिया भर में क्रिकेट उत्कृष्टता का सम्मान करते हुए अपना 26वां संस्करण मना रहा है

मुंबई, अगस्त, 2024 - भारत की अग्रणी टायर निर्माता सीट ने आज मुंबई में सीट क्रिकेट रेटिंग (सीसीआर) पुरस्कारों के 26वें संस्करण के साथ क्रिकेट के दिग्गजों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाया। यह प्रतिष्ठित आयोजन क्रिकेट समुदाय को इकट्ठा करने और अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों क्षेत्रों से उत्कृष्ट प्रदर्शन का सम्मान करने के लिए एक वैश्विक मंच बन रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए, आरपीजी समूह के अध्यक्ष, श्री हर्ष गोयनका ने कहा कि हमें क्रिकेट उत्कृष्टता का जश्न मनाने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता पर बहुत गर्व है क्योंकि हम सीईटी क्रिकेट रेटिंग पुरस्कारों के 26वें संस्करण की मेजबानी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, सीईटी क्रिकेट रेटिंग दुनिया भर के क्रिकेटरों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने का पर्याय बन गई है। हम उनके जुनून, प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता की निरंतर खोज को सलाम करते हैं जो लाखों लोगों को प्रेरित करती है।

भारत के दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी और सीईटी क्रिकेट रेटिंग के मुख्य निर्णायक श्री सुनील गावस्कर ने कहा, ''सीईटी क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार इस महान खेल में उत्कृष्ट प्रतिभा को पहचानने की मशाल है। इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं ने अगली पीढ़ी के लिए मानक स्थापित किया है और अद्वितीय कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन किया है। क्रिकेट की भावना का जश्न मनाने वाली इस यात्रा का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है।

सीट मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर रोहित शर्मा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, ''सीट मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड प्राप्त करना एक बहुत ही सुखद अनुभव है। यह हर मैच में किए जाने वाले अथक प्रयास और प्रतिबद्धता का सम्मान है। मैं इस सम्मान के लिए ऍिंं का आभारी हूं और मैदान पर सभी संभावित सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हूं। ऍिंं महिला भारतीय गेंदबाज ऑफ द ईयर के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, दीप्ति शर्मा ने कहा, ''ऍिंं महिला भारतीय गेंदबाज ऑफ द ईयर के रूप में सम्मानित होना वास्तव में एक विशेष एहसास है। यह पुरस्कार मुझे मेरी टीम, कोचों और प्रशंसकों से मिले प्रोत्साहन और समर्थन का प्रमाण है। ऍिंं से मिला सम्मान मुझे खेल में योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित करता है।''

एक्सिस बैंक ने पूरे भारत में अपनी 5430 से अधिक शाखाओं में विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया

मुंबई, 22 अगस्त 2024: एक्सिस बैंक, जो भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक है, 'विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस' के उपलक्ष पर, पूरे भारत में अपनी 5430 से अधिक शाखाओं में अपने वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर, एक्सिस बैंक ने उनके लिए उपलब्ध सबसे अच्छे निवेश विकल्पों जैसे कि म्यूचुअल फंड्स, सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान्स (एघ्झे), टर्म डिपॉजिट्स (ऊॅं) और अन्य विशेष वित्तीय सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने कि पहल की

बैंक ने वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों को अपनी ठ सिल्वर लाइनिंग प्रोग्राम ठ के बारे में बताया, जो विशेष रूप से बुजुर्गों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई पेशकशों का एक व्यापक समूह है।

इस अवसर पर बोलते हुए, अर्निका दीक्षित, प्रेसिडेंट और हेड – ब्रांच बैंकिंग ने कहा, ''एक्सिस बैंक में, हमें विश्वास है कि हमारे ग्राहकों की सेवा केवल वित्तीय सेवाएं प्रदान करने तक सीमित नहीं है। यह पहल वरिष्ठ नागरिकों के प्रति हमारी गहरी सम्मान और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक मजबूत प्रणाली बनाने में योगदान दिया है, और अब हमारी बारी है कि हम उनका समर्थन करें और उनकी देखभाल करें। इसी उद्देश्य से एक्सिस बैंक उनके लिए सुविधाजनक और सुगम बैंकिंग अनुभव प्रदान करके, और उनके लिए कस्टमाइज्ड उत्पादों के साथ, हम उनके जीवन के इस चरण की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं।''

इस उत्सव के मौके को विशेष बनाने के लिए, एक्सिस बैंक ने अपनी हेल्थ और जनरल इंश्योरेंस पार्टनर्स के साथ मिलकर कुछ चयनित एक्सिस बैंक शाखाओं में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त डिजिटल हेल्थ चेक-अप्स प्रदान किए। इसमें बॉडी मास इंडेक्स (ँश्घ), ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन सैचुरेशन, हार्ट रेट, रेस्पिरेटरी रेट आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक ने ऑनलाइन हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म, ऑप्टिमिस्ट्स के माध्यम से दवाइयों की खरीद पर 21ङ्क तक की छूट जैसी विशेष ऑफर्स की घोषणा भी की।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95